ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 13 Issue No. 06 Faridabad (NCR) Tuesday, 16-30 April 2024 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

नहीं डालेंगे अपना वोट तो सरकार से कैसे कर सकेंगे सवाल?

पहले चरण के मतदान के दौरान देश के कई हिस्सों में कई मतदान केन्द्रों पर मतदान का बहिष्कार के समाचार भी देखने सुनने को मिले। यह भी अपने आप में सही विकल्प नहीं कहा जा सकता। आखिर मतदान का बहिष्कार कर हम अपना ही नुकसान कर रहे हैं।

18 वीं लोकसभा के लिए पहले चरण का 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रेल को देश के 13 राज्यों के 89 लोकसभा सीटों के लिए होने जा रहा है। पहले चरण का मतदान 2019 की तुलना में कम हुआ है। यह अपने आप में चिंतनीय हो जाता है। मतदान कम होने के कारणों का विश्लेषण करने का ना तो यह सही समय है और ना ही यह विश्लेषण का समय है कि मतदान कम होने से किसे लाभ होगा या किसे हानि होगी। लाभहानि का आकलन करना राजनीतिक दलों का विषय हो सकता है। पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों द्वारा मताधिकार का उपयोग नहीं करना अपने आप में गंभीर हो जाता है। एक और हम निर्वाचित सरकार से अपेक्षाएं रखते हैं और रखनी भी चाहिए वहीं हम अपनी सरकार चुनने के लिए घर से मतदान करने के लिए भी निकलना अपनी तोहिन समझने लगते हैं। आखिर इतनी गैर जिम्मेदार नागरिक हम कैसे हो सकते हैं? यहां पर बरबस देश की सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी पर ध्यान चला जाता है कि जब हम मतदान के दायित्व को पूरा नहीं कर सकते तो फिर चुनी हुई सरकार से सवाल करने या उससे किसी तरह की अपेक्षा रखने का हक भी हमें नहीं होना चाहिए। एक एनजीओ के द्वारा दायर पीएल को इसी भावार्थ के साथ खारिज कर दिया गया था। वैसे भी हमारा दायित्व हो जाता है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हम थोड़ा सा समय निकाल कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान सिनेरियों में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रवधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रिवेंस करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। सजग व जिम्मेदार नागरिक के रुप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। **(साभार)**

राष्ट्रहित में संकल्पित युवा शक्ति का मतदान

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव आते है और आज भारत विश्व में जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसमे युवाओं की महती भूमिका है। अर्थव्यस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, राजनीति, रणनीति, सुरक्षा कोई भी क्षेत्र आज युवाओं से अछूता नहीं है।

भारत इन दिनों अपना सबसे बड़े और पावन पर्व का आयोजन बड़े धूमधाम से कर रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में भारत के नागरिक अपने राष्ट्र को अपने राष्ट्र को सशक्त और मजबूत सरकार देने के प्रयास में लगे हैं। सात चरणों में पूर्ण होने वाले इस वर्ष के लोकसभा के ये चुनाव देश के इतिहास के सबसे बड़े चुनाव होंगे। जिसमे से पहले चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है, शेष अभी बाकी हैं। बैसे तो 18 वर्ष के ऊपर के सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग करते ही हैं, परन्तु हम सभी जानते हैं कि भारत युवाओं का देश है, यंगिस्तान कहे जाने वाले अपने भारत में आज लगभग 66त्न युवा मतदाता हैं। मतदाताओं का ये प्रतिशत किसी भी राष्ट्र की दशा और दिशा बदलने के लिए पर्याप्त है। आज भारत का युवा पहले के मुकाबले अपने राष्ट्र के प्रति और अधिक जागरूक और सक्रिय हो गया है। इसका अंदाजा अपने इर्द गिर्द हो रही कुछ घटनाओं को देखकर लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए जैसे गतवर्ष महिला समन्वय की तरफ से ब्रज प्रान्त में महिला सम्मलेन और इस वर्ष उसी क्रम में तरुणी और युवा सम्मेलनों का आयोजन कई स्थानों पर कराया गया था। सम्मेलनों में संख्या विशेषकर युवा तरुणियों की बढ़ती संख्या इस बात की ओर इशारा तो कर रही थी कि कहीं न कहीं हमारा युवा मतदाता अपने राष्ट्र की उन्नति को लेकर बेहद संवेदनशील रवैया अपना रहा है। फैशन, कैरियर, टेक्नोलॉजी के साथ अब भारत का युवा अपनी संस्कृति और राष्ट्र के हित को लेकर भी जागरूक है। इस बात पर पक्की मुहर तब लग गयी जब चुनाव आयोग ने इस वर्ष के आकडे ज़ारी किये और उसमे मतदाता सूची के पुनरीक्षण में स्पष्ट किया गया कि 18 से 29 साल के आयु वर्ग में 2.63 करोड़ नये मतदाताओं ने पंजीकरण कराया है इसमें भी महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक रही। ये बड़े ही हर्ष का विषय है कि युवाओं विशेषकर महिलाओं में अपने राष्ट्र के प्रति ये विजन देखने को मिल रहा है। समाज में आज युवा-वर्ग भारत की हर राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्थिति, परिस्थिति और इसके साथ ही इन सभी में भारत की भूमिका को देखते हुए बहुत गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। अब वह समय नहीं जब युवा अपने सिलेबस से बाहर की बात कहकर अनदेखा कर दिया करता था बल्कि इसके उलट अब वह समाज में सामाजिक कार्यों से जुड़कर किस प्रकार की भूमिका हमारी होनी चाहिए ? इस बात पर विचार करता है। किसी भी राष्ट्र को तभी पूरी दुनिया सम्मान से देखती है और सम्मान देती है जब वह अपनी संस्कृति, विरासत पर गर्व करते हुए आगे बढता है। यह बात अब भारत का युवा जान चुका है और इसमें कोई संदेह भी नहीं कि युवा ही हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं। आज भारत युवा शक्ति समपन्न राष्ट्र है, इतनी युवा शक्ति तो भारत के पास तब भी नहीं थी जब हमने आज़ादी पायी थी। ज़रा विचार कीजिये इतनी विशाल युवा-शक्ति यदि कुछ करने की ठान ले तो वह भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है। आज का युवा देश की तरक्की देख रहा है, सम्पूर्ण विश्व में भारत की साख पर गर्व भी महसूस कर रहा है। इसके साथ ही एक और शक्ति को भी अपने अन्तेमन में महसूस कर रहा है वो है भारत की आध्यात्मिक शक्ति। यह स्पष्ट है कि युवा शक्ति, आध्यात्मिक शक्ति को महसूस कर पूर्ण सम्मान के साथ उसका समर्थन भी कर रही है। ये दोनों विश्व की महानतम शक्तियां हैं और इतिहास साक्षी है कि जब जब दो पावन शक्तियों का संयोग हुआ है तब तब इतिहास रच गया है।

यह हमारा सौभाग्य ही है कि ये दो महान शक्तियां केवल भारत के पास ही हैं। विवेकानंद द्वारा रचित कर्मयोग में कर्म के रहस्य का ज्ञान का वर्णन किया गया है जिसमें सत्व, रजो और तम इन तीनों गुणों का सम्बन्ध मुख्यतः कर्मयोग से बताया गया है। कर्मयोग ही हमें यह शिक्षा देता है कि तीनो गुणों का उचित उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है, हम अपना कार्य अच्छी प्रकार कैसे करें साथ ही यदि हम लोग सुसंस्कृत, सुशिक्षित हैं तो हमें चिंतन, दर्शन, कला और विज्ञान में आनंद मिलता है इसके साथ ही धार्मिक चिंतन के अभ्यास में भी अलग ही आनंद है बल्कि स्वामी विवेकानंद जी ने तो अध्ययन के रूप में भी धर्म को अत्यंत आवश्यक माना है। क्योंकि यह सर्वविदित है कि युवा सहज ही चिंता, तनाव, अवसाद से घिर जाता है तब आध्यात्म ही सबसे उपयुक्त मार्ग है जिसके माध्यम से सकारत्मक सोच और रचनात्मक द्रष्टिकोण प्राप्त किया जा सकता है। आध्यात्मिक होने का मतलब ये कदापि नहीं कि आपको संन्यास की ओर ले जाया जा रहा है बल्कि आध्यात्म के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने का तरीका हमारे शास्त्रों में बताया गया है। आज का युवा भी इन्ही सब आध्यात्मिक बातों का निरंतर चिंतन करते हुए आगे बढ़ रहा है। किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव आते है और आज भारत विश्व में जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसमे युवाओं की महती भूमिका है। अर्थव्यस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, राजनीति, रणनीति, सुरक्षा कोई भी क्षेत्र आज युवाओं से अछूता नहीं है। इसी महती भूमिका का निर्वहन हमें मतदान वाले दिन भी करना है। राष्ट्र हित में दिया गया हमारा एक वोट एक शक्तिशाली राष्ट्र की गारंटी है। 66त्न जैसे बड़े प्रतिशत के साथ आध्यात्मिक शक्ति को साथ लेकर हम जो भी संकल्प ले लेंगे उसे रोकने की किसी में हिम्मत नहीं है। आज हमारे राष्ट्र को हमारे मत के रूप में हमारी आवश्यकता है। एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत को एक शक्तिसंपन्न सरकार देना भी हम युवाओं का ही उत्तरदायित्व है। आइये हम सभी संकल्प लें की लोकतंत्र के इस महान पर्व को उत्सव के रूप में मनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हुए हम सभी मतदान करेगे और करवाएगें। **(साभार)**

नये नियमों के लागू हो जाने से बदल जायेगी पीएचडी की सूरत-सीरत

2024 से यूजीसी नेट योग्य उम्मीदवारों की पात्रता तीन श्रेणियों में होगी। एक- जेआरएफ और सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के संग-संग पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र होंगे। दो- जो आवेदक जेआरएफ के बिना पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र हैं, लेकिन सहायक प्रोफेसर नियुक्ति चाहते हैं। पीएचडी करने की ख्वाहिश रखने वाले युवाओं के लिए यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन-यूजीसी से बड़ी ख़बर आ रही है। या यूं कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए, पीएचडी की चाह रखने वाले के लिए यूजीसी ने अब नई संजीवनी से लबरेज़ नायाब तोहफा दिया है। 2024-25 से पीएचडी में प्रवेश के लिए अब केवल एक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा- नेट देनी होगी। यह नई शिक्षा नीति-2020 का अहम हिस्सा है। उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थान के इस कदम से देशभर में कई प्रवेश परीक्षाओं की अब जरूरत नहीं रहेगी। नेट परीक्षा प्रावधानों की समीक्षा के लिए नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। यूजीसी की हाल ही में हुई 578वीं बैठक के दौरान इस बड़े बदलाव को हरी झंडी दे दी गई। यूजीसी ने इसे जून से ही क्रियान्वित करने का ऐलान किया है। उल्लेखनीय है, एनईपी-2020 को लागू करने की सिफारिशों के संग केन्द्र सरकार ने गैर जरूरी बताते हुए एम.फिल. की विदाई कर दी थी। यूजीसी के इस फैसले के बाद देशभर में अब किसी भी सरकारी या प्राइवेट यूनिवर्सिटी में एमफिल की डिग्री नहीं दी जा रही है। नेट परीक्षा अब तक मुख्य रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप- जेआरएफ और सहायक प्रोफेसर्स की नियुक्तियों की पात्रता तय करने के लिए होती रही है। अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। ऑल ओवर इंडिया पीएचडी में प्रवेश के लिए नेट परीक्षा ही पात्रता होगी। पीएचडी में एडमिशन के लिए रिजल्ट उम्मीदवार के प्राप्त अंकों के साथ परसेंटाइल में जारी किया जाएगा। बताते चलें, अभी तक पीएचडी रेग्यूलेशन एक्ट-2022 के तहत जेआरएफ पास स्टुडेंट्स को ही इंटरव्यू बेस पर पीएचडी में एडमिशन मिलता रहा है। यूजीसी की ओर से

नए परिवर्तन की गाइडलाइन्स का नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। नए नियमों के मुताबिक जून, 2024 से यूजीसी नेट योग्य उम्मीदवारों की पात्रता तीन श्रेणियों में होगी। एक- जेआरएफ और सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के संग-संग पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र होंगे। दो- जो आवेदक जेआरएफ के बिना पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र हैं, लेकिन सहायक प्रोफेसर नियुक्ति चाहते हैं। तीन- वे पूरी तरह से पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के हकदार होंगे। नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के लिए दो और तीन श्रेणी में नेट स्कोर का वेटेज 70 प्रतिशत होगा, जबकि 30 प्रतिशत वेटेज इंटरव्यू के जरिए दिया जाएगा। यह इंटरव्यू आवेदक उम्मीदवार की चयनित यूनिवर्सिटी के अंतर्गत होगा। यह प्रमाण पत्र एक वर्ष के लिए वैध रहेगा। यदि आवेदक ने इस समयावधि में प्रवेश नहीं लिया तो इसके लिए वह अयोग्य हो जाएगा। ऐसे में अभ्यर्थी को पुनः नेट परीक्षा देनी होगी। जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान में जय अनुसंधान का जुड़ाव यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शोध के प्रति समर्पण दर्शाता है, हमारी केन्द्र सरकार वैश्विक रैंकिंग को लेकर कितनी संजीदा है। 2021-22 में पांच साल के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन- एनआरएफ का बजट 50 हजार करोड़ आवंटित हो चुका है। उम्मीद है, शोध के क्षेत्र में तरक्की की नई राहें निकलेंगी। श्री मोदी का मानना है, छात्रों को रिसर्च और इन्नोवेशन को जीने का तरीका बनाना होगा। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के फाइनल में शिरकत कर रहे छात्रों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा था, समाज में नवाचार को अब अधिक स्वीकृति मिल रही है। जय अनुसंधान का जिक्र करते हुए बोले, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के प्रतिभागी इसके ध्वजवाहक हैं। जाने-माने शिक्षाविद प्रो. यशपाल का मानना रहा है, जिन शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान और उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाता है, न तो शिक्षा का भला कर पाती हैं और न ही समाज का। आत्मविश्वास से लबरेज़ यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार कहते हैं, यह बदलाव निःसंदेह देश में शैक्षणिक खोज और विद्वतापूर्ण उन्नति के लिए अधिक अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने में अनमोल योगदान देगा। प्रो. कुमार कहते हैं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी-एनटीए अगले सप्ताह से मूर्त रूप देने जा रही है। इससे न केवल छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों की ओर से आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी से राहत मिलेगी, बल्कि इससे परीक्षा संसाधन और खर्चों का बोझ कम होगा। शिक्षाविद मानते हैं, यूजीसी नेट परीक्षा से न केवल आपके अंकों के आधार पर प्रतिष्ठि विश्वविद्यालयों के द्वार खुलेंगे, बल्कि आपको आकर्षक छात्रवृत्ति मिलने का रास्ता भी सुगम हो जाएगा। अब आईआईटी, आईआईएम या दीगर किसी यूनिवर्सिटी में पीएचडी के एडमिशन के लिए अगल से इंट्रेंस एग्जाम देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि देश में अब वन पीएचडी इंट्रेंस एग्जाम फार्मूला लागू हो गया है। भारत दुनिया में सबसे तेजी बढ़ते अनुसंधान देशों में से एक है। क्यूएस रिसर्च वर्ल्ड यूनिवर्सिटी के मुताबिक 2017-2022 के बीच भारत के अनुसंधान उत्पादन में लगभग 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वैश्विक औसत के दो गुने से भी अधिक है, जबकि वैश्विक औसत 22 प्रतिशत है। इसमें भारत के 66 विश्वविद्यालयों को शुमार किया गया था। चीन, अमेरिका और यूके के बाद दुनिया में भारत का रिसर्च चौथे पायदान पर है। क्यूएस के मुताबिक भारत ने 2017-2022 के बीच 1.3 मिलियन अकादमिक पेपर्स तैयार किए हैं। इस अवधि में करीब 15 प्रतिशत रिसर्च पेपर शीर्ष जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह खुलासा क्यूएस ने अपनी रैंकिंग में किया है। अकादमिक पेपर्स में यूनाइटेड किंगडम का आंकडा 1.4 मिलियन है। इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, भारत निकट भविष्य में यूके को पीछे छोड़ देगा। यह बात दीगर है, साइटेशंस में 8.9 मिलियन उद्धरणों के साथ भारत की नौवीं रैंक है। क्यूएस रिसर्च वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग ने यह रैंकिंग निर्धारित करने के लिए भारत समेत दुनिया के 93 देशों के 1300 से अधिक विश्वविद्यालयों के डेटा का विश्लेषण किया। रैंकिंग निर्धारण में अनुसंधान आउटपुट, शिक्षण गुणवत्ता और नियोक्ता प्रतिष्ठा जैसे कारक शामिल थे। भारत में अनुसंधान का सबसे प्रचुर क्षेत्र इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी है। इसके बाद प्राकृतिक विज्ञान, जीव विज्ञान और चिकित्सा का स्थान आता है। भारत दो या अधिक मुल्कों के साथ अपने अनुसंधान उत्पादन का 19 प्रतिशत उत्पादन करता है। यह वैश्विक औसत पर 21 प्रतिशत है। इसमें कोई शक नहीं है, भारत दुनिया में सबसे तेज ग्रो करने वाला रिसर्च हब है। **(साभार)**

भारत को पुनः विश्व गुरु बनाना ही संघ का मुख्य लक्ष्य

समय के साथ साथ संघ ने अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन भी किया है एवं कई नए आयाम एवं कार्य अपने साथ जोड़े हैं। जैसे समाज के किन किन क्षेत्रों में क्या क्या काम करना है यह संघ के स्वयंसेवकों को बहुत स्पष्ट रूप से सिखाया जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक नागपुर में दिनांक 15 से 17 मार्च 2024 को सम्पन्न हुई है। इस बैठक में पूरे देश से 1500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और श्रीराम मंदिर से राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ओर विषय पर एक प्रस्ताव भी पास किया गया। जैसा कि सर्वविदित ही है कि गौरवशाली हिन्दू सनातन संस्कृति विश्व में सबसे पुरानी संस्कृति मानी जाती है और इसी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए भारत का इतिहास वैभवशाली रह पाया है तथा हिंदू सनातन संस्कृति का विस्तार इंडोनेशिया तक एवं सुदूर अमेरिका तक रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि संघ एवं इसके स्वयंसेवक करते क्या हैं? इसके उत्तर में अक्सर यह जवाब दिया जाता है कि संघ को यदि समझना है तो आपको संघ की शाखा में आना होगा। संघ, मां भारती को एक बार पुनः विश्व में गौरवशाली स्थान दिलाने के पवित्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गम्भीर प्रयास कर रहा है। इस पवित्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लाखों की संख्या में स्वयंसेवक आज संघ के साथ जुड़ चुके हैं। आज भारत के 45,600 स्थानों पर संघ की 73,117 शाखाएं, 27,717 साप्ताहिक मिलन एवं 10,567 संघ मंडली लगाई जा रही हैं। इन शाखाओं, साप्ताहिक मिलनों एवं संघ मंडलियों में स्वयंसेवकों में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव (राष्ट्र प्रथम) जागृत किया जाता है ताकि वे समाज में जाकर समाज की सज्जन शक्ति को साथ लेकर भारत में समाज परिवर्तन का कार्य दक्षतापूर्वक कर सकें। संघ की शाखा सामान्यतः 60 मिनट की लगती है एवं इसमें शारीरिक व्यायाम, योग, प्राणायाम, खेल, बौद्धिक एवं प्रार्थना शामिल रहती है। बौद्धिक में सनातन संस्कृति एवं भारत के गौरवशाली इतिहास की जानकारी के साथ साथ भारतीय संतो, महात्माओं एवं महापुरुषों की जानकारी प्रदान की जाती है। समय के साथ साथ संघ ने अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन भी किया है एवं कई नए आयाम एवं कार्य अपने साथ जोड़े हैं। जैसे समाज के किन किन क्षेत्रों में क्या क्या काम करना है यह संघ के स्वयंसेवकों को बहुत स्पष्ट रूप से सिखाया जाता है। संगठन श्रेणी के साथ ही संघ में जागरण श्रेणी भी कार्यरत है। संगठन श्रेणी में शाखाओं के विस्तार, इसे सुचारू रूप से चलाने सम्बंधी कार्य, स्वयसेवकों का प्रशिक्षण एवं गुणवत्ता विकास आदि कार्य शामिल रहते हैं जबकि जागरण श्रेणी में समाज में जाकर किन क्षेत्रों में जागरण करना है, का निर्धारण किया जाकर इस क्षेत्र में स्वयसेवकों द्वारा कार्य किया जाता है। जैसे वर्तमान में जागरण श्रेणी में शामिल कार्य हैं - सेवा, सम्पर्क एवं प्रचार सम्बंधी कार्य। इसके अलावा 6 गतिविधियां भी हैं जो स्वयसेवकों द्वारा समाज के सहयोग से चलाई जाती हैं। इनमे शामिल हैं - धर्म जागरण समन्वय, गौ सेवा, ग्राम विकास, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के श्रीविग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दिनांक 1 से 15 जनवरी 2024 तक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के आह्वान पर संघ के स्वयंसेवकों एवं समाज के विविध संस्थानों तथा संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा चलाया गया गृह सम्पर्क अभियान अभूतपूर्व सफल रहा था। देश के समस्त प्रांतों के 578,778 गांवों एवं 4727 नगरों के कुल 19.38 करोड़ से अधिक परिवारों से स्वयंसेवकों सहित 44.98 लाख से अधिक व्यक्तियों ने सम्पर्क किया था। यह भारतीय समाज में संघ की गहरी पहुंच और समाज में उसकी स्वीकार्यता को दर्शाता है। संघ के 40 से अधिक अनुशांगिक संगठन भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जो हिंदू सनातन संस्कृति एवं भारतीय परम्पराओं के आधार पर समाज में अपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। विश्व में वामपंथी विचारधारा के आधार पर चल रहे विभिन्न मजदूर संगठन अपने श्रमिक सदस्यों को संस्थान के केवल लाभ में हिस्सा लेने की प्रेरणा देते हैं और अपनी मजदूरी में वृद्धि के लिए अक्सर हड़ताल आदि का सहारा लेते हैं। उद्योग संस्थान में हड़ताल होने से न केवल उस विशेष उद्योग संस्थान का बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का भी नुक्सान होता है।जबकि, भारतीय मजदूर संघ, जो कि संघ का ही एक अनुशांगिक संगठन है, अपने श्रमिक सदस्यों को हड़ताल करने के लिए निरुत्साहित करता है और उसका नारा है कि 'संस्थान के लिए करेंगे पूरा काम और काम के लेंगे पूरे दाम'। यह अंतर है वामपंथी विचारधारा और राष्ट्रीय विचारधारा के संगठनों में। इसी प्रकार संघ के अन्य अनुशांगिक संगठनों में शामिल हैं - (1) सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठन - आरोग्य भारती, राष्ट्रीय सेवा भारती, भारत विकास परिषद, राष्ट्रीय चिकित्सा संस्थान, आरोग्य भारती, सक्षम (दिव्यांग नागरिकों के लिए), दीन दयाल शोध संस्थान।**(साभार)**

बेटियों को भी मिले उचित सम्मान, उन्हें न समझा जाए बोझ

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियाँ अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। **(साभार)**

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्‌भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्‌भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गई गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि

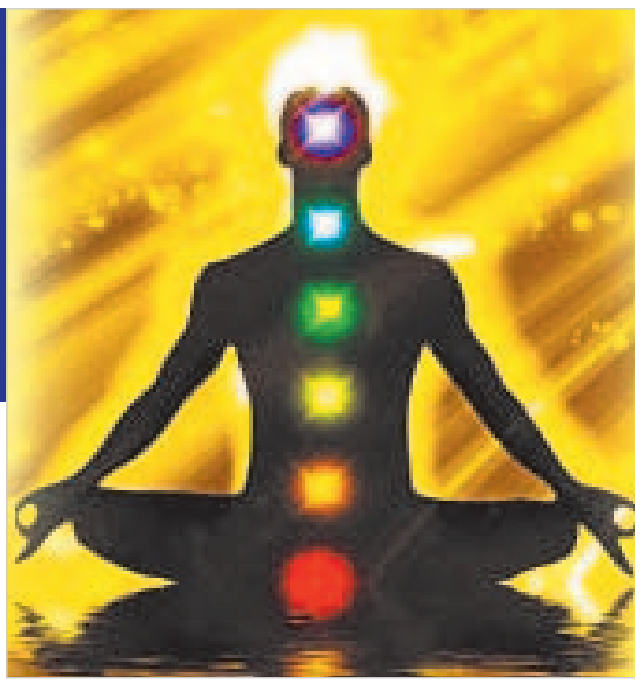

बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

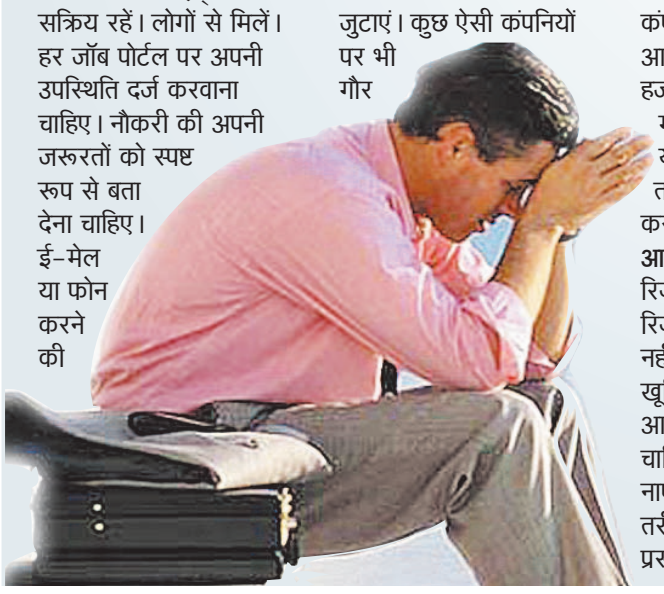

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए, ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

रिटायर्ड कर्मचारी परेशान, विभाग के एमडी और कॉंट्रैक्टर पर लगाया मिलीभगत का आरोप

Faridabad/Alive News

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के रिटायर्ड कर्मचारी फ्लैट न मिलने से परेशान है। कर्मचारियों का आरोप है कि 414 परिवारों ने फ्लैट की पूरी पेमेंट कर दी है। लेकिन इसके बावजूद शनिवार को हीवो अपार्टमेंट ग्रुप हाउसिंग सोसायटी सेक्टर- 21 डी में एचएसवीपी एमडी, कांट्रेक्टर और कर्मचारियों के बीच मीटिंग हुई। लेकिन अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए कोई समाधान नहीं निकला है। हीवो अपार्टमेंट ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट 26 साल से अधूरा पड़ा है। एचएसवीपी के एमडी पिछले 6 साल से कर्मचारियों को केवल आश्वासन दे रहे है। लेकिन कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिल रही है। लोगों का आरोप है कि जब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण अपनी कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा तो आम जनता राम भरोसे है। दरअसल, हीवो अपार्टमेंट ऑनर्स वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के प्रधान आरसी तनेजा और जनरल सेक्रेटरी एसपी अत्री ने बताया कि 1998 में फ्लैट अलॉट हुए थे। तभी एचएसवीपी ने कर्मचारियों से जमीन का पैसा वसूल लिया था। लेकिन एचएसवीपी अधिकारियों को फ्लैट के लिए साइट लेने में 21 साल लग गए। साल 2019 में वन विभाग की जमीन सेक्टर- 21 डी और 19 में फ्लैट बनाने के लिए विभाग को जमीन मिली। यह पूरा प्रोजेक्ट 183 करोड़ का था। एचएसवीपी के एमडी ने निजी कंपनी नन्नू राम कांट्रेक्टर को प्रोजेक्ट पूरा करने का काम सौंप दिया और लोगों को ढाई साल में फ्लैट देने का आश्वासन दिया। जिसके बाद विभाग ने 15 स्टालमेंट बनाकर लोगों से फ्लैट बनाने के लिए पैसा लेना शुरू कर दिया। कोरोना के दौरान लोगों ने बैंक से महंगा लोन लेकर विभाग को 2022 में पूरी पेमेंट कर दी। इस दौरान एचएसवीपी के एमडी ने एक और खेल खेला और बेसमेंट और फस्ट फ्लोर के लिए पर इसेक्रेयर फीट के हिसाब से 2250 रुपये तय कर दिया। जबकि बेसमेंट का पैसा कम होना चाहिए था। इसके अलावा प्रोजेक्ट पूरा होने से पहले ही आखिरी स्टालमेंट फीस और पजेशन चार्ज भी लोगों से ले लिया। यह चार्ज फ्लैट मिलने के बाद देना होता है। लेकिन वह भी लोगों को परेशान करके पहले ही ले लिया गया। इसके अलावा अन्य कर्मचारियों ने बताया कि रेरा के रूल के अनुसार यदि स्टॉलमेंट देने में बायर्स देरी करते है तो 15 परसेंट पेनल्टी भरनी पड़ती है। लेकिन अगर कॉस्ट्रेक्टर समय पर प्रोजेक्ट पूरा न करें तो उसे ब्लैक लिस्ट करके उस पर 15 परसेंट पेनल्टी लगाई जाती है। लेकिन एचएसवीपी के चीफ कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस ने ऐसा कुछ नहीं किया। हद तो तब हो गई जब शनिवार को मीटिंग में कांट्रेक्टर ने काम करने से मना कर दिया। कांट्रेक्टर का कहना है कि विभाग पर उसका 6 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं, विभाग के एमडी का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद बकाया पैसों का भुगतान किया जाएगा। कांट्रैक्टर और एमडी के बीच चल रहे विवाद के का खामियाजा एचएसवीपी के रिटायर्ड कर्मचारी और उनका परिवार भुगत रहा है। लोगों का कहना है कि वैसे मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार खत्म करने की बात कहते है, लेकिन उनके विभाग में ही सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हो रहा है। लोगों ने 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री से इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन कुछ नहीं हुआ।

क्या कहना है एमडी का

इस बारे में जब एचएसवीपी के एमडी व चीफ कंट्रोलर ऑफ फाइनेंस (पंचकूला) भारत भूषण से बातचीत की तो वह काम में व्यस्तता जताते हुए सवालों का जवाब देने से बचने लगे। उन्होंने किसी भी सवाल का सही से जवाब नहीं दिया।

लोकसभा चुनाव-2024 के चुनाव पर्व को फेयर एण्ड फ्री करवाने के लिए अधिकारियों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

Faridabad/Alive News

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि ट्रेनिंग सही करी है, तो निश्चित तौर पर सफल मतदान प्रक्रिया होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने लोकसभा चुनाव-2024 प्रक्रिया से जुड़े सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर्स, प्रजाइडिंग ऑफिसर और सहायक प्रजाइडिंग ऑफिसर को ट्रेनिंग में सफल चुनाव संचालन के लिए टिप्स दिए।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव-2024 के चुनाव पर्व को फेयर एण्ड फ्री करवाने के लिए अधिकारियों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में चुनाव प्रक्रिया में लगाए गए अधिकारियों के स्वयं के वोट डालने के लिए फार्म 12 और 12 ए भी भरवाए गए हैं। ताकि वे चुनाव में ड्यूटी के साथ साथ मतदान करने के भागीदार बन सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह आज मंगलवार को प्रशिक्षण के दूसरे दिन अमृता अस्पताल के ऑडिटोरियम में भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोक सभा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर्स, प्रजाइडिंग ऑफिसर और सहायक प्रजाइडिंग ऑफिसर को लोक सभा पर्व चुनाव-2024 के सफल चुनाव संचालन के लिए चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न ऑफिसर्स को टिप्स दे रहे थे। विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव में पोलिंग पार्टियो में शामिल कोई भी अधिकारी ड्यूटी के दौरान गैर हाजिर रहा अथवा चुनाव में ड्यूटी कटवाने के लिए किसी भी प्रकार की सिफारिश करवाता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 134ए व भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रैंडमाइजेशन प्रक्रिया एनआईसी हरियाणा द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूरी कराई गई हैं।

उन्होंने बताया कि रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत चुनाव के समय भारत निर्वाचन आयोग की नियमावली के अनुसार पोलिंग स्टाफ के रूप में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटियां निर्धारित की जाती है। जिला में आगामी 25 मई को लोकसभा आम चुनाव मतदान प्रक्रिया के मद्देनजर सभी बूथों पर निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने के लिए रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत पोलिंग पार्टियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं आयोग की हिदायतों के अनुसार जिला के छ: विधानसभा क्षेत्रों में सभी पोलिंग बूथ के अलावा रिजर्व में रहने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है।बॉक्स ज़िला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में ड्यूटी पर लगाए गए वे अधिकारी जो कि फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र के हैं तथा अन्य लोक सभा क्षेत्रों में मतदाता हैं, ऐसे मतदाताओं के लिए फार्म 12 व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के अलावा अन्य लोक सभा क्षेत्र में मतदाताओं के लिए फार्म 12 भरना अनिवार्य है। ताकि वे भी चुनाव पर्व में मतदान के भागीदार बन सकें।

सीईओ जिला परिषद सतबीर मान ने प्रशिक्षण के दौरान मार्क-पोल मतदान विधि के लिए EVM /इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, VVPAT/ वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल, ष्ट /कंट्रोल यूनिट, और क्र/बैलेट यूनिट के बेहतर क्रियान्वयन और सेटिंग की पूरी बारीकी से विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि EVM /इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को सुनिश्चित करें कि श्वङ्कारू चालू है और सही तरह से काम कर रही है। स्क्रीन साफ और मतदाताओं के लिए पूरी तरह से ठीक है, यह सुनिश्चित करें। वहीं उम्मीदवारों का चयन करने के लिए बटनों की प्रतिक्रिया की पूरी निष्ठा के साथ साथ जाँच करें। साथ ही चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि EVM को सुरक्षित रूप से रखा गया है और मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। मतदान शुरू होने से पहले, मतदान केन्द्रों पर उम्मीदवारों के मतदान एजेंटों और मतदाताओं को श्वङ्कारू के सही काम की डेमो के रूप में उन्हें आत्मसात करने के लिए एक नकली वोट कराएं। VVPAT/वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल, सुनिश्चित करें कि VVPAT प्रिंटर EVM से ठीक तरह से कनेक्ट करना पूर्णतया सुनिश्चित करें। पेपर रोल को सही ढंग से लोड करें और यह भी तय करें कोई जाम नहीं है। साथ सुनिश्चित करें कि VVPAT डिस्प्ले स्पष्ट और मतदाताओं के लिए उचित दृश्यमान है। वहीं VVPAT प्रिंटर की जांच करें और सुनिश्चित करें कि यह सही तरह से काम कर रहा है। मतदाताओं को श्वङ्कारू पर अपने वोट को सत्यापित करने के बाद VVPAT पेपर ऑडिट ट्रेल पर जांच करने के लिए निर्देश प्रदान करें। चुनाव पर्व प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी सुनिश्चित करें कि ष्ट की मेमोरी साफ है और वोटों को सही तरह से रिकॉर्ड करने के लिए तैयार है। यह सुनिश्चित करने के लिए अंतिम जांच करें कि CU अपने दोनों EVM और VVPAT के साथ सही ढंग से संचार कर रहा है।

श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम में धूमधाम से मनाई हनुमान जयंती

Faridabad/Alive News

भगवान श्रीराम ने कहा कि हनुमान तुम मुझे लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय हो। क्योंकि तुम सेवा करते हो। सेवा करने वाले भगवान को अति प्रिय होते हैं। यह बात जगदगुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने भक्तों के बीच कही। वह हनुमान जयंती पर श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम श्री सिद्धदाता आश्रम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने लक्ष्मण को कहा कि तुमने मुझे अपना पूरा जीवन दिया, लेकिन हनुमान अभी नया है। इसे मैं इसलिए ज्यादा प्यार करता हूं। इसके साथ साथ वह सेवा को ही सबकुछ मानता है, इसलिए वह परम बड़भागी है।

श्रीराम ने कहा कि सेवा करने में जो अधिकार चाहता है वह मोहित हो जाता है और सेवा के असली अर्थ को भूल जाता है। इसलिए सेवा करने वाले को कभी भी अधिकार, पद की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवक के मन में मान सम्मान प्रतिष्ठा और सुख की चाहना अपराध है। उन्होंने हनुमान को सेवा और भक्ति का पर्याय बताया। उन्होंने सभी के लिए हनुमान जी से बल, बुद्धि और कृपा की प्रार्थना की। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि हनुमान वास्तव में गुरु हैं। उन्हें गोस्वामी तुलसीदास गुरु बताते हैं और गुरु के रूप में ही अपनी कृपा करने के लिए कहते हैं।

इसलिए जब भी हम बात करते हैं, तब हनुमानजी को गुरु के रूप में ही मानते हैं। इससे पहले स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने वीर हनुमान की मूर्ति का भव्य अभिषेक किया और हजारों लोगों को आशीर्वाद एवं प्रसाद भी प्रदान किया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं ने अपने सिर पर मंगल कलश लेकर शोभायात्रा में भागीदारी की, वहीं सैकड़ों कार्यकर्ता धर्म ध्वजा लेकर चल रहे थे। जिसमें एक विशाल बग्गी में हनुमानजी मूर्त रूप में बैठे हुए थे। इस आयोजन में श्री सिद्धदाता आश्रम संचालन समिति, विभिन्न सेवा समितियों के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नेहरू कॉलेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज, फरीदाबाद ने रसायन शास्त्र व रसायनत्वा-रसायन सोसायटी के संयुक्त संयोजन में 23 अप्रैल 2024 को एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय रसायन विज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग÷ रहा। इस कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डॉज़ रुचिरा खुल्लर के सफल मार्गदर्शन तथा विभागाध्यक्ष डॉज़ अंकिता के नेतृत्व में किया गया।आयोजन कमेटी में श्रीमती निशा तेवतिया, डॉज़ किरण देवी पुनिया, डॉज़ प्रियंका नरूका, श्री अमित अरोड़ा एवं छात्र समन्वयक परवीन, उत्कर्ष व कामना रहे।

इस प्रतियोगिता में छात्र ङ्क छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बीज़ एसज़ सीज़ कक्षा के 23 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का सफल प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉज़ प्रियंका पराशर, डॉज़ नीतू सोरोत और श्री अमित अरोड़ा रहे। निर्णायक मंडल की अनुशंसा पर सुषमा विश्वकर्मा, साक्षी रावत, मीनाक्षी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं को नकद पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा पोस्टरों की अद्भुत रचनात्मकता दर्शाई गई जिसने प्रतियोगिता में नया मापदंड स्थापित किया।

बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता घर से वोटिंग का चुन सकते हैं विकल्पः डॉ. आनंद शर्मा

Faridabad/Alive News

अतिरिक्त उपायुक्त एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18वें लोकसभा आम चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांग मतदाताओं को बैलेट पेपर द्वारा घर से ही मतदान करने की सुविधा दी गई। ऐसे मतदाताओं को अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क करके फॉर्म 12डी प्राप्त करना होगा तथा इस फॉर्म को डेट ऑफ़ नोटिफिकेशन के पांच दिन के अन्दर भरकर जमा कराना होगा। एडीसी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ. आनंद शर्मा सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में दिव्यांगजनों के साथ आयोजित बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में उपस्थित चुनाव कार्यालय के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एरिया में यह सुनिश्चित करें की इन वर्गों के कितने मतदाता ऐसे हैं जो घर से मतदान करने के इच्छुक हैं। भारत चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित वर्ग के जो मतदाता घर से मतदान करने का आवेदन करते हैं उनका घर से ही मतदान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि जो दिव्यांगजन पोलिंग बूथ पर आकर मतदान करना चाहते हैं उनके लिए प्रशासन द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से रैम्प, शौचालय सहित सभी मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी जिससे कि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। एडीसी ने कहा कि बीएलओ द्वारा युवाओं को वोट बनवाकर आगामी 25 मई को लोकसभा आम चुनाव में मतदान करने के लिए के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वर्तमान में वोट ट्रांसफर के लिए आवेदन किया जा सकता है, जिन मतदाताओं को अपने वोट अन्य स्थान पर ट्रांसफर करवाना है वह भी इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट, एप के माध्यम से या फिर इलेक्शन कार्यालय में ऑफलाइन मोड से निर्धारित फॉर्म भरकर जमा करवा सकते हैं। बैठक में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी सचिव बिजेंदर सोरोत, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राकेश गौतम सहित जिला के अलग-अलग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से आए दिव्यांगजन तथा पत्रकार एवं छायाकार बंधू उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में आयोजित फेस्ट में विद्यार्थियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में समरस्य प्रबंधन फेस्ट-2024 का भव्य आयोजन किया गया। रत्नागिरी भवन में आयोजित इस फेस्ट में मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने कौशल, ज्ञान और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। अपनी प्रतिभा के बल पर छात्रा स्नेहा ने मिस मैनेजमेंट का खिताब जीता, जबकि छात्र रवि ने मिस्टर मैनेजमेंट चुने गए। कुलपति डॉ. राज नेहरू, कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा और मैनेजमेंट के डीन प्रोफेसर ऋषिपाल ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी। इससे पूर्व दीप प्रज्ज्वलित कर अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने फेस्ट का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रबंधन जीवन को व्यवस्थित बनाता है और आगे बढ़ने की दिशा देता है। प्रबंधन के माध्यम से हम अपने लक्ष्यों को सरलता सा प्राप्त कर सकते हैं। प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने प्रबंधन विभाग को सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सब अच्छे लीडर के रूप में किसी भी संस्थान को आगे ले जाने में सक्षम बनेंगे।

5 एडिशनल सेशन जज के स्थानांतरण पर जिला बार ने रखा विदाई समारोह

Faridabad/Alive News

स्थानीय कोर्ट परिसर स्थित जिला बार सभागार में जिला बार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर भिवानी के 5 एडिशनल सेशन जज का स्थानांतरण होने पर उन्हें सम्मानित कर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायधीश दीपक अग्रवाल ने शिरकत की तथा अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन भिवानी के प्रधान सत्यजीत पिलानिया ने की। कार्यक्रम में मंच का संचालन एसोसिएशन के सचिव दीपक तंवर ने किया। इस मौके पर अनेक अधिवक्तागण मौजूद रहे।

इस मौके पर स्थानांतरित हुए एडीशनल सैशन जज अश्विनी कुमार गोयल, रजनी यादव, सोनिका गोयल, अश्विनी महता, कंवरपाल सिंह को मुख्यअतिथि व एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बार भिवानी के सैशन जज दीपक अग्रवाल ने कहा कि किसी भी कर्मचारी या अधिकारी के व्यक्तित्व की पहचान उनके कार्यकाल के दौरान लोगों से किए व्यवहार के तौर पर की जाती है। उन्होंने कहा कि स्थानातरित हुए पांचों एडीशनल सैशन जजों का व्यवहार नागरिकों के लिए बड़ा अच्छा रहा तथा इनके अच्छे व्यवहार की प्रशंसा की गई सुनी भी गई थी। उन्होंने कहा कि एक अच्छे कर्मचारी या अधिकारी को हमेशा उसके अच्छे व्यवहार के लिए याद रखा जाता है। उन्होंने स्थानांतरित हुए पांचों एडीशनल सैशन जजों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन भिवानी के प्रधान सत्यजीत पिलानिया ने कहा कि एडीशनल सैशन जज अश्विनी कुमार गोयल, रजनी यादव, सोनिका गोयल, अश्विनी महता, कंवरपाल सिंह न्याय प्रिय रहे हैं तथा उनका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिलाना रहा तथा उनकी यह कार्यप्रणाली ने उन्हें अन्य जजों के मुकाबले अलग बनाती है।

पिलानिया ने कहा कि बार व बैंच के बीच सामंजस्य बना रहे, इसके लिए वे निरंतर प्रयास रहेंगे। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव दीपक तंवर ने कहा कि विदाई समारोह जैसे कार्यक्रम कर्मचारियों व अधिकारियों के सराहनीय कार्यकाल की प्रशंसा करने के साथ अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों को भी आमजन के प्रति अच्छा व्यवहार किए जाने का संदेश देती है।

पुलिस महानिदेशक मे खेड़ी पुल पुस्तकालय का किया निरक्षण

Faridabad/Alive News

खेड़ी पुल पुलिस लाइन में चल रहे सरदार पटेल पुस्तकालय का काफी छात्र छात्राए लाभ उठा रहे हैं। पुलिस आयुक्त फरीदाबाद राकेश आर्य ने कहा कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। पुलिस लाईन परिसर में रहने वाले सभी आयु समूह के लोगों के लिए यह ज्ञान ग्रहण करने का सर्वोत्तम केन्द्र है। उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन में चल रही जिम एवं लाईब्रेरी की सुविधा से युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक है। नई पुलिस लाईन परिसर में पुलिस परिवार के कल्याण के लिए पुस्तकालय, क्रेच और जिम की भी व्यवस्था है। हाल ही में पुलिस महानिदेशक श्री शत्रूजित कपूर ने भी खेड़ी पुल पुस्तकालय का निरीक्षण किया था। उन्होने पुस्तकालय से मिलने वाले ज्ञान लाभ के बारे मे बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि लाइब्रेरी में अंग्रेजी व हिंदी के अलावा विदेशी भाषाओं की पुस्तके भी उपलब्ध हैं इसलिए छात्र इन पुस्तकों का पूरा फायदा उठाएं। विदेशी भाषाओं का ज्ञान होने से उन्हें विदेश में भी नौकरियां मिल सकती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अपनी पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी पर भी ध्यान दें। इसके साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वाहन से यात्रा करते समय सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। साइबर अपराध के बारे में उन्होंने बताया कि आजकल साइबर ठगी की वारदातें बहुत अधिक हो रही है। इससे बचाव के लिए अपने बैंक अकाउंट से संबंधित जानकारी किसी के साथ साझा न करें और अपने साथियों को भी इसके बारे में जागरूक करें। पुस्तकालय में अत्याधुनिक फर्नीचर, डिजिटल प्लेटफार्म के लिए 18 कंप्यूटर, 6 किंडल और स्मार्ट बोर्ड के साथ साईबर युग में ई-बुक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। स्पेनिश, फ्रेंच, जैपनिज एवं अंग्रेजी भाषा के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए लर्निंग केन्द्र में आनलाईन माध्यम से विशेष रूप से प्रशिक्षक उपलब्ध कराया गया है।

अब निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से बिना बताए कराए जा रहे अंडरटेकिंग फार्म पर हस्ताक्षर

Faridabad/Alive News

कनीना स्कूल बस हादसा के बाद निजी स्कूलों ने अपने आप को सुरक्षित करने और कार्यवाही से बचने के लिए नया तरीका खोज लिया है। दाखिला फार्म में ही स्कूल के नियमों के साथ एक लाइन जोड़ दी है जिसमें लिखा जा रहा है कि यदि बस से स्कूल आने जाने वाले स्टूडेंट्स के साथ भविष्य में कोई घटना होती है तो स्कूल प्रशासन इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। इस पर बात की निजी स्कूल अभिभावकों से अंडरटेकिंग ले रहे है, जिसकी ज्यादातर अभिभावकों को जानकारी तक नहीं है। दरअसल, जिले में बल्लभगढ़ और फरीदाबाद ब्लॉक के प्ले स्कूलों को मिलाकर 1200 से अधिक निजी स्कूल है, जिसमें से कुछ निजी स्कूल एडमिशन का फायदा उठाकर फॉर्म में नया नियम जोड़कर अभिभावकों को बिना बताए उस फार्म पर साइन करवा रहे हैं।

वहीं, जागरूक अभिभावकों की शिकायत है कि फार्म में छोटे अक्षरों में इस नियम को लिखा जा रहा है है। स्कूल में जब बच्चों का दाखिला कराने जा रहे है तब स्कूल में अभिभावकों को फार्म भरने और पढ़ने तक का मौका नहीं दिया जा रहा। स्कूल में रिसेप्शन पर बैठा स्टाफ ही सारे डॉक्यूमेंट्स लेकर खुद ही फॉर्म भर रहा है और अभिभावकों से सिर्फ हस्ताक्षर करवाए जा रहे है। ऐसी स्थिति में अभिभावक फार्म पढ़ नही पा रहे है। अभिभावक बिना जानकारी के ही दाखिला फॉर्म पर हस्ताक्षर कर रहे है। इसके अलावा कुछ स्कूलों ने इस अंडरटेकिंग को स्कूल नियमों में शामिल करते हुए अलग से फॉर्म छपवाए हैं और नया रिकार्ड बनाने का हवाला देते हुए अभिभावकों को स्कूल में बुलाकर फॉर्म साइन करवा रहे हैं। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को संज्ञान लेना चाहिए।

वहीं, अभिभावक एकता मंच के प्रदेश

महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि कुछ निजी स्कूल सुविधाओं और उपलब्धियां का गुणगान करते हैं। इस दौरान खुद ही फॉर्म भरकर अभिभावक से साइन करवाते हैं। उन्हें फॉर्म पढ़ने या देखने तक का समय नहीं देते। लेकिन यह हथकंडा अपना कर निजी स्कूल अपनी कमियो को नहीं छुपा सकते।

क्या कहना है अभिभावकों का

स्कूल में बच्चे का एडमिशन कराने गया था। वहां बैठे स्टाफ ने जानकारी लेकर एडमिशन फ्रॉम खुद ही भर दिया और फ्रॉम साइन करवाकर जमा करा लिया। फ्रॉम में स्कूल के क्या नियम है। यह तक सही से नहीं पढ़ पाया।

कुलदीप सिंह, अभिभावक।

निजी स्कूल में एडमिशन प्रक्रिया समाप्त होने पर है। स्कूल में बच्चे की एडमिशन फीस जमा करने पहुंचा तो एक फ्रॉम पर साइन करवाया ये कहकर कि बच्चों का नया रिकॉर्ड मेंटेन करना है और साइन करने के लिए कहा।

सुखदेव सिंह, अभिभावक।

क्या कहना है स्कूल एसो. का

यदि ऐसा स्कूलों द्वारा किया जा रहा है तो स्कूल संचालक अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे है। ऐसी अंडरटेकिंग से कोई कानूनी बचाव नहीं है। क्योंकि स्कूल बस, ड्राइवर और कंडक्टर की ओर से नियुक्त होते है। ऐसे में किसी भी सूरत में स्कूल का कानूनी बचाव नहीं हो सकता और किसी भी स्कूल को अपनी जिम्मेदारी से नहीं भागना चाहिए।

विमल पाल, चेयरमैन- इंडियन प्राइवेट असोसिएशन फरीदाबाद।

क्या कहना है जिला शिक्षा अधिकारी का

अभिभावक जागरूक हो और स्कूल द्वारा दिए गए किसी भी फॉर्म को बिना पढ़े उस पर साइन ना करें। अगर निजी स्कूल इस अपने बचाव में इस तरह का कोई कार्य कर रहे है तो यह सरासर गलत है।

आशा दहिया, जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद।

ई-पुस्तकों तक पहुंच आसान, पर पढ़ने का सुकून मुद्रित पुस्तकों से

हर साल 23 अप्रैल को पुस्तकों के महत्व को समझकर पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्व पुस्तक व प्रकाशनाधिकार दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम रीड योर वे है, यह थीम पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में चयन और आनंद के महत्व पर जोर देती है। जीवन में पुस्तकों का स्थान अतुलनीय है,

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

विश्व ज्ञान, आत्मीय शांति, योग्य मार्गदर्शन, समय का सदुपयोग, प्रेरणा, प्रोत्साहन, मददगार, समस्याओं का हल, नवचेतना, नवनिर्मिति, जागरूकता, अद्यतन, बेहतर साथी, सफलता, गुरु, सलाहकार जैसे अनेक मूल्यवान गुणों का सार होती है पुस्तकें। आज के आधुनिक युग में यांत्रिक संसाधनों ने दुनिया भर तक हमारी पहुंच आसान कर दी है।

हर ओर जानकारी और सूचना की बाढ़ आ गई है। पुस्तकों को ज्ञान का मुख्य स्त्रोत कहा जाता है, जीवन में सफल होने के लिए किताबों का बेहतर साथ आवश्यक होता है। पुस्तकें मनुष्य के जीवन के आरंभ से अंत तक निस्वार्थ साथ देते हुए पथ-प्रदर्शक की भूमिका में होते है। किताबों से दोस्ती करने वाला इंसान हमेशा खुश और ज्ञानी बना रहता है, जिससे जीवन में मुश्किलें कम होती है। इंटरनेट के द्वारा पुस्तकें बस एक क्लिक पर मौजूद है, जब चाहे तब कहीं पर भी, कभी भी हम ई-पुस्तकें पढ़ सकते हैं, संग्रहीत कर सकते है।

हर साल 23 अप्रैल को पुस्तकों के महत्व को समझकर पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ÷विश्व पुस्तक व प्रकाशनाधिकार दिवस÷ दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम ÷रीड योर वे÷ है, यह थीम पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में चयन और आनंद के महत्व पर जोर देती है। जीवन में पुस्तकों का स्थान अतुलनीय है, एक अच्छी पुस्तक सौ दोस्तों के बराबर होती है। जिसने किताबों के महत्व को जान लिया है, वह जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता। पुस्तकों के सहयोग से हम जीवन में विश्व के हर क्षेत्र का सर्वोत्तम स्थान प्राप्त कर सकते हैं।

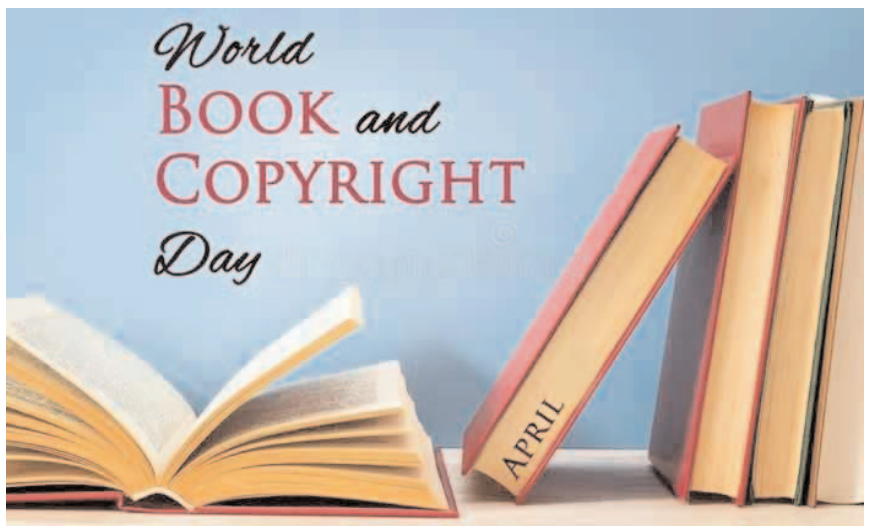

किताबें पढ़ने की आदत मनुष्य के जीवन को लगातार विकसित करता हैं। मस्तिष्क तेज होकर स्वयं विचार कर कुछ नया ज्ञान खोजने की शक्ति मिलती हैं। पढ़ते रहने से हम अधिक होशियार होते जाते है। लिखने का कौशल, भाषा कौशल सुधरता है, फोकस और एकाग्रता बढ़ती है, हम जीवन में अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ते हैं, हम अपने समय का सही इस्तेमाल कर पाते हैं, नयी जानकारी और ज्ञान मिलता है, पढ़ने से तनाव कम होता है, हमेशा हम अद्यावत और जागरूक बने रहते है और पढ़ने से अच्छी नींद आती हैं। भूलने की बीमारी से काफी हद तक दूर रहते हैं।

डिजिटलीकरण के कारण हर कोई अपनी मांग और सुविधा अनुसार पुस्तकों को ऑनलाइन पढ़ सकता है, ऑनलाइन के द्वारा हम दुनिया से हर समय जुड़े रहते हैं। पाठकों की रुचि अनुसार, दुनियाभर के विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं। बहुत से प्रकाशक, कंपनी, शैक्षणिक संस्थान, पेशेवर, ईबुक विक्रेता, सरकारी पोर्टल अपनी वेबसाइट पर डिजिटल स्वरूप में पुस्तक अपलोड करते हैं, ताकि पाठकों तक ई-पुस्तकें पहुंच सकें। पढ़ने का समय बचाने के लिए ऑडियो बुक्स भी डिजिटल मार्केट में उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकें बहुत आसानी से उपलब्ध हैं, लेकिन वे कागजी पुस्तकों का स्थान नहीं ले सकतें। बहुत से लोग ऑनलाइन पुस्तकें तो डाउनलोड करते है, लेकिन उसे पूरा पढ़नेवाले बहुत कम होते हैं। यह ई-पुस्तकें हमें पढ़ने के लिए कागजी पुस्तकों की तरह प्रेरित नहीं करती, बल्कि बहुत बार बोझिल महसूस होती हैं। कागजी पुस्तकों की भांति ई-पुस्तकों से लगाव या प्रेरणा की कमी लगती हैं, इनसे हम भावनिक रूप से जुड़ नहीं पाते।

कागजी पुस्तकें पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने में मुख्य सहायक है। ई-पुस्तकों में हम अधिकतर सिर्फ सीमित सूचनाओं को पढ़कर फिर भूल जाते हैं, जबकि कागजी पुस्तकों में पढ़ते वक्त विषय की गहराई में जाकर समस्या का हल ढूंढते हैं, पूरी किताब पढ़ते हैं, जिससे पुस्तक का पूरा ज्ञान हमें हमेशा याद रहता हैं और यही पुस्तक का उद्देश्य होता है कि उसके ज्ञान का पूरा फायदा पाठकों तक पहुचें। जबकि अधिकतर पाठकों द्वारा ई-पुस्तकों में केवल काम निकालने लायक ही जानकारी खोजी जाती हैं। कागजी पुस्तकें पेड़ कटवाते हैं, लेकिन ई-पुस्तकें भी बिजली खर्च करवाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते है, तकनीकी खराबी भी एक समस्या है, और ऊपर से मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप का ई-कचरा पर्यावरण के लिए पहले से ही घातक स्तर पर पहुंच चूका हैं।

जिसे पढ़ना आता हैं, चाहे वह निर्धन ही क्यों न हो, वह कही पर भी पुस्तकें पढ़ सकता है, सार्वजनिक पुस्तकालयों में जा सकता हैं, वहां की पुस्तकें पढ़ सकता है। परन्तु ई-पुस्तकें पढ़ने के लिए विशेष यांत्रिक संसाधन और कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए आर्थिक खर्च और कुछ प्रशिक्षण की जरुरत होती हैं, जैसे :- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, बिजली, इंटरनेट और तकनिकी कौशल। जबकि कागजी पुस्तकों में यह चीजें आवश्यक नहीं। कक्षाओं में विद्यार्थियों को कागजी पुस्तकों से पढ़ाना आसान होता हैं जबकि ई-पुस्तक से पढ़ाने के लिए प्रोजेक्टर का खर्च वहन करना पढता हैं।

पुस्तकों का ज्ञान आत्मसात करने के लिए पढ़ते वक्त ध्यान और नजर पुस्तक पर एकाग्र करनी होती हैं, परन्तु इलेक्ट्रॉनिक साधनों की स्क्रीन पर लगातार ध्यान केंद्रित करना कुछ समय पश्चात तनाव, सिरदर्द, दृष्टिदोष का कारण हो सकता हैं, क्योंकि कंप्यूटर की स्क्रीन आँखों की रोशनी को प्रभावित करती हैं। ई-पुस्तक की आसानी से उपलब्धता, समय की बचत, आसान संग्रहण होने के बावजूद पुस्तक का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों में मौजूद पूरा ज्ञान पाठकों द्वारा आत्मसात करना यह कागजी पुस्तकों के मुकाबले ई-पुस्तक में पूर्णता नजर नहीं आता। संकटमय काल में या थोड़े समय के लिए ऑनलाइन अध्ययन वरदान हैं, लेकिन दीर्घ काल में यह शारीरिक और मानसिक समस्या निर्माण कर सकता हैं। यांत्रिक साधनों के लगातार बढ़ते उपयोग से हम उन संसाधनों पर आश्रित होने लगे हैं, अब तो हमें अपनों के मोबाइल नंबर तक याद नहीं रहते। इससे हमारी सोचने-समझने की शक्ति-याददाश्त कमजोर हो रही है, यह आधुनिकता का बहुत बड़ा दोष है। आज तक किसी भी शोध या सर्वेक्षण में मुद्रित किताबें पढ़ने से होने वाली कोई समस्या या नुकसान सामने नहीं आया है, लेकिन कोरोना के समय में ऑनलाइन अध्ययन द्वारा कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आई हैं। ई-पुस्तकें और मुद्रित पुस्तकों के बीच चयन आखिर हमारा व्यक्तिगत निर्णय है। लेकिन जब हम वैश्विक तौर पर पाठकों की पसंद देखते हैं तब पता चलता है कि, मुद्रित पुस्तकें दुनिया भर के शौकीन पाठकों के दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती हैं। जबकि ई-पुस्तकों का अलग लाभ हैं, अब पाठकों को इन दोनों के संभावित खूबियों/कमियों के प्रति जागरूक रहकर अपनी मांग अनुसार, एक संतुलन बनाना चाहिए जो उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पढ़ने की प्राथमिकताओं के लिए सबसे उत्तम हो।

(ये लेखक के निजी विचार है)

संपादकीय

मजबूत रहे न्यायपालिका

अब की बार पूर्व न्यायाधीशों ने 'न्यायपालिका को अनावश्यक दबाव से बचाने के लिए' देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा है। सुप्रीम कोर्ट के चार और हाई कोर्ट के 17 पूर्व न्यायाधीशों ने किसी का नामोल्लेख किए बिना आरोप लगाया है कि कुछ लोग यानी वकील 'अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों एवं व्यक्तिगत लाभों से प्रेरित होकर न्यायिक संस्था को कमजोर करने में लगे हैं'। जस्टिस चंद्रचूड़ से ऐसे तत्वों के झांसे में न आकर न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया गया है। इसी तरह की भाषा-शैली में आज से तीन हफ्ते पहले सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों के 600 अधिवक्ताओं, जिनमें हरीश साल्वे जैसे दिग्गज शामिल थे, ने जस्टिस चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा था। इसमें भी न्यायपालिका के सामने आ रही वैसी ही कठिनाइयों का जिक्र किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जड़ कांग्रेस की 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका बनाने की मानसिकता' में बताया था तो उजागर हुआ था कि पत्र का ताल्लुक कांग्रेसी विचारधारा के अधिवक्ताओं से है, जो पीठ या न्यायाधीशों पर मनमाफिक फैसले के लिए 'अनुचित दबाव और प्रभाव' डालते हैं। पत्र पर दस्तखत करने वाले जस्टिस ढींगरा ने एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल का नाम लेते हुए कहा है कि वे मामले में 'पैरवी के दौरान केस की मेरिट पर दलीलें न देकर कहने लगते हैं कि अगर इसे छोड़ा नहीं गया तो बवाल हो जाएगा' आदि। इसी समूह में प्रशांत भूषण और अभिषेक मनु सिंघवी के भी नाम हैं। और भी नाम हो सकते हैं। ये लोग पहले इजलास के अंदर और इसके बाहर इंटरव्यू एवं लेखों के जरिए उन फैसले को सरकार के दबाव में दिया बता कर उनकी अतार्किक आलोचनाएं करते हैं, जो उनके विरोध में आए होते हैं। इससे न्यायपालिका पर खामख्वाह दबाव बनता है। एक बार जस्टिस चेलमेर ने भी 'इन करोड़ी समूह के अधिवक्ताओं से दिक्कत' बताई थी। न्यायिक क्षेत्र-निचली से लेकर सर्वोच्च अदालत तक-में हाल के दशकों में यह एक फेनोमिना के रूप में विकसित हुआ है। इसमें मनचाही खंडपीठ के लिए तो पीठ बदलने के लिए जोर-जबर्दस्ती की जाती है। इस समस्या का समूचा हिस्सा न्यायालीय ही नहीं है। राजनीतिक विचारधारा और सबसे अधिक उसकी सत्ता भी है। दबावकारी प्रवृत्ति बढ़ी है तो इसकी वजह कुछेक न्यायाधीशों में सत्ता के नजदीक जाने की कमजोरी भी है। यह दबाव से काम करा ले जाने का साहस पैदा करता है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

जलवायु परिवर्तन लाएगा लगभग 20 प्रतिशत कमाई में कमी

तिलक राज शर्मा

वायुमंडल में पहले से मौजूद ग्रीनहाउस गैसों और सामाजिक-आर्थिक जड़ता के चलते, आने वाले 50 सालों में वैश्विक अर्थव्यवस्था औसतन 19 प्रतिशत आय में कमी की ओर अग्रसर है। इस कमी का असर लगभग सभी देशों में देखने को मिलेगा। भारत की बात करें, तो यह आंकड़ा 22 प्रतिशत हो जाता है, जो कि वैश्विक औसत से 3 प्रतिशत अधिक है।

दरअसल नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार, अगर कार्बन एमिशन में आज से ही भारी कटौती कर ली जाए, तब भी जलवायु परिवर्तन के कारण 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 19 प्रतिशत की आय में कमी आने का अनुमान है। यह नुक़सान उन उपायों की लागत से छह गुना अधिक है, जो तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए ज़रूरी हैं।

जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के वैज्ञानिकों ने पिछले 40 वर्षों के दौरान दुनिया भर के 1600 से अधिक क्षेत्रों के आंकड़ों का अध्ययन कर जलवायु परिवर्तन के आर्थिक विकास पर भविष्य के प्रभावों का आकलन किया है।

अध्ययन के मुख्य लेखक मैक्सिमिलियन कोट्ज़ का कहना है कि, ÷अधिकांश क्षेत्रों, जिनमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप भी शामिल हैं, में आय में भारी कमी आने का

अनुमान है। दक्षिण एशिया और अफ्रीका सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इसका कारण यह है कि जलवायु परिवर्तन कृषि उत्पादन, श्रम उत्पादकता या बुनियादी ढांचे जैसे आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रभावित करेगा। वैश्विक वार्षिक नुक़सान का अनुमान 2050 तक 38 खरब डॉलर है, जिसकी संभावित सीमा 19-59 खरब डॉलर के बीच मानी जा रही है। यह नुक़सान मुख्य रूप से बढ़ते तापमान के कारण होता है, लेकिन बारिश में बदलाव और तापमान में उतार-चढ़ाव से भी जुड़ा है। अगर तूफान या जंगल की आग जैसी अन्य मौसम संबंधी अतिशयोक्तियों को भी इसमें शामिल कर लिया जाए, तो यह नुक़सान और भी बढ़ सकता है। अमेरिका और यूरोपीय संघ को भी भारी आर्थिक जोखिम

अध्ययन का नेतृत्व करने वाली पीआईके वैज्ञानिक लियोनी वेंज का कहना है कि, ÷हमारा विश्लेषण बताता है कि जलवायु परिवर्तन अगले 25 वर्षों में दुनिया भर के लगभग सभी देशों में भारी आर्थिक नुक़सान करेगा, इसमें जर्मनी, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित देश भी शामिल हैं। ये निकट भविष्य में होने वाले नुक़सान हमारे अतीत में किए गए एमिशन का परिणाम हैं। अगर हम इनमें से कुछ को भी कम करना चाहते हैं, तो हमें अनुकूलन के लिए अधिक प्रयासों की आवश्यकता होगी। साथ ही, हमें तुरंत और भारी मात्रा में अपने एमिशन में कटौती करनी होगी, नहीं तो इस सदी के उत्तरार्ध में आर्थिक नुक़सान और भी बढ़ जाएगा, जो वैश्विक औसत पर 2100 तक 60 प्रतिशत तक हो सकता है। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि जलवायु की रक्षा करना, न करने से कहीं अधिक सस्ता है, और इसमें हमने जीवन या जैव विविधता के हानि जैसे गैर-आर्थिक प्रभावों को भी शामिल नहीं किया है।

जो कम ज़िम्मेदार हैं, वो ज़्यादा भुगतेंगे

अध्ययन में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों में असमानता पर भी प्रकाश डाला गया है। अध्ययन में पाया गया है कि लगभग हर जगह नुक़सान हो रहा है, लेकिन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे क्योंकि वे पहले से ही गर्म हैं। वहां तापमान में और वृद्धि सबसे अधिक हानिकारक होगी। जलवायु परिवर्तन के लिए कम ज़िम्मेदार देशों को उच्च आय वाले देशों की तुलना में आय में 60 प्रतिशत अधिक और अधिक एमिशन करने वाले देशों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक आय में कमी का सामना करना पड़ेगा। उनके पास जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के लिए संसाधन भी कम हैं।

यह निर्णय लेना हमारे ऊपर है

अपनी सुरक्षा के लिए और धन बचाने के लिए हमें रिन्यूबल एनेर्जी प्रणाली की ओर संरचनात्मक बदलाव की ज़रूरत है। अगर हम मौजूदा रास्ते पर ही चलते रहे, तो इसके विनाशकारी परिणाम होंगे। पृथ्वी के तापमान को स्थिर करने के लिए हमें तेल, गैस और कोयले का जलना बंद करना होगा।

(लेखक अलाइव न्यूज़ के संपादक है)

विकास और विरासत का बेहतरीन संतुलन 'मोदी की गारंटी' में

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'भाजपा का संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि 'जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं' यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है। साथ ही यह भरोसा दिलाता है कि आम मतदाता को इस पर विश्वास करने में किसी भी प्रकार की शंका नहीं करनी चाहिए। ऐसा सोचने के लिए एक तर्क यह भी है कि अपने स्थापना काल से ही भारतीय जनता पार्टी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष करती आई है, सत्ता में आते ही उन्हें पूरा करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं दिखाया है।

किसने सोचा था कि हम कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटते हुए देख पाएंगे। लेकिन भाजपा की मोदी सरकार ने यह करिश्मा तब कर दिखाया जब विरोधियों ने दावे किए थे कि ऐसा करने पर देश में भारी बवाल पैदा होगा, एक प्रकार से देश जल ही उठेगा। पूरे 500 साल हुए, जब से लाखों लोगों ने अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि को स्वतंत्र करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुगल तो हमारे दुश्मन और विदेशी लुटेरे थे। अतः उनका मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाना समझ में आता है। लेकिन आजाद भारत में हमारे देश की, हमारी अपनी धर्मनिरपेक्ष सरकारें राम जन्मभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में अड़ंगे पैदा करती रहीं। अदालत में भगवान श्रीराम को इन्हीं सरकारों से संबंधित वकीलों ने कपोल कल्पित कहने में शर्म महसूस नहीं की। अयोध्या की सड़कें कार सेवकों के खून से लाल कर दीं और सरयू का पानी रक्त रंजित कर दिया। किंतु जैसे ही भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला, वैसे ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीराम जन्मभूमि स्वतंत्र होने की घोषणा कर दी गई। आदेश सामने आते ही भाजपा शासित मोदी सरकार ने पल भर की देर नहीं लगाई और भव्य श्रीराम मंदिर का केवल शिला पूजन ही नहीं किया, वरन् भगवान की भव्यतम प्रतिमा की प्राण

प्रतिष्ठा भी करके दिखा दी।

भाजपा का तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का था। वह भी उसने उत्तराखंड के रास्ते स्थापित करने का प्रण उजागर कर दिया है। अब जो संकल्प पत्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 14 अप्रैल को पढ़ा गया है, उसमें वादा किया गया है कि अगले कार्यकाल में हम समान नागरिक संहिता भी लागू करने जा रहे हैं। आशय स्पष्ट है भाजपा के तीन प्रमुख संकल्प थे। इनमें से पहले कालखंड में अनुच्छेद 370 को हटाया जाना समाहित माना जाए, तो दूसरे कालखंड की सौगात अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर को माना जा सकता है। जब भाजपा शासन के दो कालखंडों में अपने दो महत्वपूर्ण और असंभव से प्रतीत होने वाले संकल्प पूरे कर चुकी है, तब मतदाता को यह भरोसा करना ही चाहिए कि अब जब जनता भाजपा को तीसरे कालखंड का जनादेश देने जा रही है तब वह अपना तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का भी पूरा करके दम लेगी।

इसी के साथ यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि विरोधी लोग अपनी हार को सम्मुख देखते हुए भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह केवल मंदिरों और देवलोकों की बात करके देश को भरमा रही है। जबकि सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके द्वारा शासित विभिन्न प्रदेशों की सरकारें व केंद्र की मोदी सरकार 'विकास और विरासत' को साथ लेकर नए भारत का ताना-बाना बुन चुकी हैं। उदाहरण के लिए जहां अयोध्या के श्रीराम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, दक्षिण भारत की पवित्र सैंगोल, मध्य भारत के महाकाल लोक, पश्चिमी भारत की द्वारकापुरी और पूर्वी भारत में मां काली के विराट प्रादुर्भाव की बातें की जाती हैं तो उन्हें साकार भी किया जाता है। इसी हमारे देश की सनातन विरासत को सहेजने का क्रम माना जाना चाहिए।

जहां तक विकास की बात है तो अब भारत में सुरक्षा का क्षेत्र आत्मनिर्भर हो चला है। औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर के बड़े-बड़े निर्माण मेकिंग इंडिया के तहत हमारे देश में ही हो रहे हैं। वंदेभारत के रूप में अत्याधुनिक ट्रेनों की व्यापक श्रृंखलाएं पूरे देश के यातायात को सुगम कर रही हैं। राष्ट्रीय नेशनल मार्गों की फोरलेन सिक्स लेन और अब आठ लेनों वाली श्रृंखलाएं तथा आश्चर्यचकित कर देने वाले फ्लाईओवर ब्रिज विकसित देशों को पीछे छोड़ चुके हैं। चीन और पाकिस्तान से सटे हुए सीमांत प्रदेशों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर दुश्मनों को चुनौती दे रहा है। देश के अधिकांश भागों में विद्युत आपूर्ति अब सहज सुलभ तथा अनेक प्रांतों में सरप्लस हो चुकी है। फलस्वरूप एक दशक पहले जब अत्यावश्यक कार्यों के लिए भी विद्युत उपलब्ध नहीं हो पाती थी, अब वहां लाखों इलेक्ट्रॉनिक वाहन सरप्लस बिजली से रिचार्ज होकर विदेशी इंधन से मुक्ति पा रहे हैं।

यही नहीं, अब बिजली बिल जीरो करने की कवायद का भी ऐलान हुआ है। जिसके तहत पीएम सूर्य योजना में एक करोड़ रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। 24 जून के बाद इस मामले में गति और तेज होने जा रही है, जिससे हम खुद बिजली उत्पादक बनेंगे। अपने उपयोग की बिजली इस्तेमाल करने के बाद जो बचेगी उसे सरकार को बेच भी पाएंगे। यानी आम के आम गुठलियों के दाम। कोरोना के बाद जहां अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई। वहां लोग रोटी के लिए भी मोहताज हो गए। तब भारत की भाजपा शासित मोदी सरकार ने न केवल वैक्सीनेशन का कीर्तिमान बनाया बल्कि वह दूसरे देशों को भी उपलब्ध कराई। इसके बावजूद भी अपनी अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण बनाए रखा। कांग्रेस ने 70 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था। जबकि सच्चाई यह है कि इस पार्टी ने और इसके अन्य धर्मनिरपेक्ष साथी दल अपनी और अपने शीर्ष परिवारों की अमीरी बढ़ते रहे। जबकि भाजपा शासित मोदी सरकार ने चार करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराए। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की और तन ढकने के लिए कपड़े को भी मूल्य की दृष्टि से नियंत्रण में बनाए रखा।

इस प्रकार रोटी, कपड़ा और मकान की जो संकल्पना थी उसे व्यवस्थित कर दिखाया। सोने पर सुहागा यह कि नए संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 3 करोड़ प्रधानमंत्री आवास अतिरिक्त बनाने का संकल्प जाहिर कर दिया है। आयुष्मान भारत के तहत गरीबों का 5 लाख तक का इलाज तो पहले से ही मुफ्त था। अब नए संकल्प पत्र के अनुसार 70 साल और इससे ज्यादा के उम्र वाले प्रत्येक वर्ग के बुजुर्गों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर वर्ग को भी इस पात्रता में शामिल किया जा रहा है। रसोई गैस के दामों को विरोधियों द्वारा बढ़ चढ़कर दुष्प्रचारित किया जाता है। जबकि कड़वी सच्चाई यह है कि कोरोना के दौरान और उसके बाद पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती थी। जिससे अनेक बड़े-बड़े देश उबर ही ना पाए। लेकिन भारत ने रसोई गैस जैसी बेहद आवश्यक वस्तु की आपूर्ति में बाधा नहीं आने दी। फलस्वरूप कुछ समय के लिए सब्सिडी का भार आम जनता पर आन पड़ा, जो स्वाभाविक भी था। लेकिन अब सरकार की ओर से सब्सिडी दिए जाने के रास्ते सुनिश्चित किए गए हैं। वहीं स्थाई रूप से सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक शहर और कस्बों में पाइप लाइन के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का संकल्प रखा जा चुका है। आम आदमी की आर्थिक क्षमताएं और मजबूत हों, इसके लिए रेहड़ी पटरी वालों को बिना गारंटी लोन मिलेगा। स्वनिधि योजना का विस्तार कर उसे छोटे कस्बों गांवों तक पहुंचाया जाएगा। युवाओं को स्वरोजगार हेतु पहले से ज्यादा पैसा मिलेगा।

- डॉ. राघवेंद्र शर्मा

अपने शहर को हरा भरा रखना हमारा मौलिक दायित्व-सीमा त्रिखा

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21ए स्थित श्रीराम मॉडल स्कूल में शनिवार को हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने वेस्ट पेड़ के पत्ते को खाद बनाने की मैन्योर मेकिंग मशीन का शुभारंभ किया।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री को पेड़ पौधों से टूटे हुए पत्तों से खाद बनाने की प्रक्रिया दिखाई गई। इस मौके पर विद्यालय की मुख्या डॉ अमृता ज्योति, उपप्राचार्य कंचन भाटिया, एकेडमिक डायरेक्टर मनीषा आनंद, अध्यापक भूपेश आहूजा, सुरजीत सिंह, सेक्टर-21डी स्थित ब्रह्माकुमारी आश्रम से प्रीति दीदी, रंजना दीदी मौजूद रही।

22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस पर विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा 5 लाख आम के पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। स्कूल का यह एक प्रयास है कि हम अपने शहर में अधिक से अधिक पेड़ पौधों लगाए और अपने शहर को हरा भरा रखे।

दलालों और नगर निगम का बड़ा मामला आया

सामने-पति के ज़िंदा रहते दलाल ने बनायी विधवा पेंशन और डेढ़ वर्ष तक किया शारीरिक शोषण !

Faridabad/Alive News

शुक्रवार को हरियाणा महिला आयोग के कार्यालय पर विभिन्न तरह के नौ केसों की सुनवाई की गयी जिनमें घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, पति ङ्क पत्नी के बीच विवाद आदि के केस शामिल थे। यहां तक की पति के ज़िंदा रहते दलालों और नगर निगम की मिली भगत के चलते एक महिला का फ़र्ज़ी विधवा पेंशन बनवाने का मामला भी सामने आया जिसमें यह पेंशन बनवाने वाले दलाल ने करीब डेढ़ साल तक महिला का शोषण किया। कई घंटो तक चली इस सुनवाई में महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने काउंसलिंग करते हुए दो ऐसे पति पत्नी के जोड़ों को फिर से बसाने का काम किया जिनमें पिछले लम्बे समय से मन मुटाव और झगड़े चल रहे थे। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा की आज फरीदाबाद के कार्यालय पर कुल नौ मामलो को लेकर सुनवाई हुई थी जिनमें घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, पति ङ्क पत्नी के बीच विवाद थे। जिनमें से कुछ मामलो को सुलझाने में आयोग कामयाब रहा। इसके अलावा एक मामला फरीदाबाद की एक महिला का आया जिसमें महिला के साथ विधवा पेंशन के नाम पर धोखा किया गया है। जब इस केस को ध्यान से देखा और समझा गया तो मालूम हुआ की पीड़ित महिला ने अपनी बेटी की पेंशन बनवानी थी लेकिन उसकी विधवा की पेंशन बना दी गयी थी और हैरानी की बात है की महिला को करीब डेढ़ साल तक यह नहीं

मालूम था उसकी विधवा पेंशन बनी हुई है। वहीं ताज्जुब की बात है की विधवा पेंशन बनवाने के लिए उसके पति का डेथ सर्टिफिकेट और शमशान घाट की पर्ची भी जरूरी होती है अब सवाल उठता है की उन्होंने कैसे विधवा पेंशन बनायीं जबकि महिला का पति जिन्दा है। ऐसे में साफ़ होता है की पेंशन विभाग में बड़ा घोटाला किया जा रहा है। रेनू भाटिया ने आगे बताते हुए कहा की जिस दलाल के ज़रिये महिला ने पेंशन बनवायी थी उसी ने महिला के साथ करीब डेड साल तक ब्लैकमेल करते हुए महिला के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाये। वहीं उक्त दलाल की नज़र अब महिला की बेटी पर थी जिसका विरोध महिला ने किया तो दोनों के बीच अनबन हो गयी। जिसके बाद उक्त दलाल ने महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी की यह महिला विधवा पेंशन ले रही है जबकि महिला का पति जिन्दा है। रेनू भाटिया ने कहा की हालांकि पेंशन का मुद्दा बहुत गंभीर है की किस तरह से अधिकारियों कर्मियों व दलालो की मिलीभगत के चलते एक बड़ा दलालों और कर्मियों का गिरोह सक्रीय है और इस तरह महिलाओं के साथ शोषण भी हो रहा है। उन्होंने कहा की यह तो अभी केवल एक मामला सामने आया है और हो सकता है की जांच के बाद और मामले भी सामने आ सकतें हैं। उन्होंने हरियाणा की बेटियों से अपील की है की यदि किसी भी तरह से बेटियों के साथ इस तरह से शोषण हो रहा है तो वह महिला आयोग के पास बिना डरे आये अपनी शिकायत दें। उन्होंने कहा की इस मामले में कई सबूत आयोग के पास आये हैं जिसके आधार पर आगे जांच की जायेगी और उसके बाद उचित कार्यवाही की जायेगी। वहीं काउंसलिंग के दौरान फिर से घर बस जाने पर एक जोड़े ने बताया की आज महिला आयोग द्वारा काउंसलिंग करते हुए उनका घर फिर से बसा दिया है जिसके लिए वह आयोग का धन्यवाद करते हैं।

हरियाणा के राज्यपाल ने रामनवमी के अवसर पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में की पूजा अर्चना

Faridabad/Alive News

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज रामनवमी के पावन अवसर पर पंचकुला के सेक्टर-12ए स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पंहुचकर विधिवत पूजा अर्चना कि और भगवान वेंकेटेशवर का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव और श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर सेक्टर 12ए पंचकुला के प्रधान श्री टीवीएसएन प्रसाद व उनकी धर्मपत्नी डॉ श्रीदेवी भी उपस्थित थे।

श्री प्रसाद ने मंदिर में पहुंचने पर राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी तिरुपति बालाजी मंदिर, कुरुक्षेत्र से आये पुजारियों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गई। मंदिर में सीताराम कल्याणम को भव्य तरीके से मनाया गया जिसमें सैंकड़ो भक्तों ने भाग लिया। यह सदियों पुरानी परंपरा अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखती है। सीताराम कल्याणम के बाद श्री दत्तात्रेय ने प्रसाद ग्रहण किया। श्री वेंकेटेशवर स्वामी मंदिर के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त हिमाद्री कौशिक, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गगनदीप सिंह, श्री वेंकेटेशवर स्वामी मंदिर की सचिव श्रीमती नीरजा, आईपीएस, सदस्य श्री संजीव कुमार सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हादसा स्कूल संचालकों के घमंड का नतीजा हैः नीरज शर्मा

Faridabad/Alive News

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि आज हरियाणा के महेंद्रगढ़ में जो बीते दिनों हादसा हुआ है उसने पूरे राज्य के साथ साथ पूरे देश की जनता को झकझोर कर रख दिया है । महेंद्रगढ में घटा स्कूल बस हादसा इस बात की गवाही दे रहा है कि कोई प्राइवेट स्कूल किस कदर लापरवाह हो सकता है जो एक ऐसे ड्राइवर के साथ बच्चों को जाने देता है जो शराब के नशे में धुत्त है । प्रेस नोट जारी नीरज शर्मा ने कहा कि

दरअसल प्राइवेट स्कूलों की ये लापरवाही इनके घमंड का परिणाम है । आज बड़े प्राइवेट स्कूल की लॉबी ऐसी है कि कोई न कोई छोटा बड़ा नेता या अधिकारी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन स्कूलों से जुड़ा होता है और उसी नेता और अधिकारी की शय में स्कूल प्रशासन बच्चों से लेकर उनके माता पिता तक के प्रति एक घटिया रवैया अपनाते हैं जिसका परिणाम महेंद्रगढ़ जैसी घटनाओं के रूप में हमारे सामने आता है। विधायक का कहना था कि उनके द्वारा आज से 4 साल पहले ही इस प्राइवेट स्कूल के नेक्सस के खिलाफ हल्ला बोल किया था और उस उस समय ही प्रतिज्ञा खाई थी कि चाहे उन्हें कितनी ही जरूरत क्यों ना हो लेकिन वो अपने किसी भी रैली या कार्यक्रम के लिए स्कूल बस नहीं लेंगे और प्राइवेट स्कूल की मनमानी के खिलाफ लगातार आवाज उठाएंगे ।

विधायक नीरज शर्मा ने अपना 4 साल पुराना बयान मीडिया को दिखाया

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि महेंद्रगढ हादसे में अपनी जान गंवाने वाले सभी मासूम बच्चों के माता पिता के साथ इस दुख की घड़ी में हम साथ खड़े हैं और सभी नेताओ को संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हम स्कूल के चलाये जा रहे इस नेक्सस के खिलाफ लगातार आवाज उठाएं ताकि भविष्य में फिर से इस हादसे की तरह कोई और हादसा ना हो पाए ।

प्रदेशभर में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बन्द करने का आदेश

Chandigarh/Alive News

महेंद्रगढ़ के कनीना में हुए स्कूल बस हादसे के बाद शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। परिवहन और शिक्षा विभाग स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच रहा है। वहीं दूसरी तरफ शिक्षा निदेशालय ने प्रदेशभर में चल रहे 4500 गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके लिए कलस्टर स्तर पर टीमें गठित कर दी गई हैं और चेकिंग अभियान चलाने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। मौलिक शिक्षा निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों से गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की रिपोर्ट तलब की है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को लिखे पत्र में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद करने को कहा है। साथ ही एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए हैं। हरियाणा सरकार पहले ही गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को लेकर अपना रुख साफ कर चुकी है, लेकिन निजी स्कूल संचालक लगातार मान्यता के लिए कोशिश कर रहे थे। सरकार की सख्ती के बाद प्राइवेट स्कूल संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को ज्ञापन देकर निजी स्कूल बंद न करने, स्थानीय मान्यता प्राप्त स्कूलों को 10 साल बाद मान्यता रिव्यू कराने का आदेश निरस्त करने और स्कूली सोसायटियों पर लगाए जुर्माने को माफ करने की मांग की थी। उस समय मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि किसी स्कूल को बंद नहीं किया जाएगा। अस्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों को तभी नए सत्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जब वे शर्तें पूरी करेंगे। शर्तें पूरी किए बगैर यदि कोई स्कूल संचालित हुआ तो हरियाणा

स्कूल एजुकेशन नियमावली 2003 के अनुसार इसे अपराध माना जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर छापेमारी के लिए क्लस्टर आधार पर टीमें बनाई गई हैं। टीम के सदस्य अपने क्लस्टर में स्कूलों की जांच करेंगे और अवैध रूप से संचालित स्कूलों को बंद कराएंगे। बड़ी संख्या में स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास छोटी कक्षा की मान्यता है, लेकिन वे बड़ी कक्षाओं के दाखिले कर रहे है। इन स्कूलों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। अभी तक 282 गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को चिह्नित किया जा चुका है।

जीवा स्कूल में नवरात्रि के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में आज प्रार्थना सभा के दौरान नवरात्रि के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीवा पब्लिक स्कूल की यह विशेषता है कि यहा प्रत्येक त्योहार पारंपरिक तरीके से मनाया जाता हैं और इसके लिए विशेष प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया जाता हैं। कार्यक्रम के माध्यम से त्योहार की सभी महत्वपूर्ण जानकारियां बच्चों को दी जाती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी संस्कृति एवं सभ्यता से अवगत कराना है। आज की प्रार्थना सभा भी बहुत विशेष रही जिसमें रामचन्द्र जी के जीवन एवं उनके आदर्श गुणों का वर्णन किया गया। विद्यालय में प्रतिदिन दिन की शुरुआत एक सुविचार से की जाती है इसलिए सर्वप्रथम छात्रों ने सुविचार प्रकट किए तदुपरांत छात्रों ने रामचरित मानस की चौपाई प्रस्तुत कीए लघु नाटिका के माध्यम से छात्रों ने श्री रामचन्द्र जी के जीवन की विशेषता भी बताई बच्चों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय के माध्यम से बताया कि श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम

हैं।इस प्रस्तुति से छात्रों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र उपस्थित रहे सबने एक साथ मिलकर श्री रामचन्द्र जी के सिद्धांतों को जानाए प्राइमरी कक्षा के छात्रों ने भी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कियाए भजन व चौपाई की प्रस्तुति के साथ विद्यालय का प्रांगण भक्ति भाव से विभोर हो उठा।

किंडरगार्टन के नन्हे. मुन्ने छात्रों ने भी श्री राम का जय.जयकार किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री ऋषिपाल चौहान जी ने सभी को शुभकामनाएं दी एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें रामचंद्र जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिएए इसके साथ.साथ विद्यालय की उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एवं एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने सभी को अपनी शुभकामना? दीं।

नेहरू कॉलेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

Faridabad/Alive News

प्राचार्या डॉ रुचिरा खुल्लर फरीदाबाद के कुशल निर्देशन में कंप्यूटर विभाग द्वारा इंटर कॉलेज पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर नीलम दहिया रही। डॉक्टर पूनम एचओडी कंप्यूटर साइंस ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्रतियोगिता में फरीदाबाद के विभिन्न कॉलेजों जैसे- डीएवी, केएल मेहता ,अग्रवाल कॉलेज, नेहरू कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज मोहना, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज तिगांव से 77 विद्यार्थियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को पांच विषय जैसे आईओटी , मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर थ्रेट्स, क्रिप्टोकरंसी दिए गए। छात्रों ने पूरे उत्साह से बढ़-चढ़कर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया एवं बहुत सुंदर पोस्टर बनाएं। जजमेंट पैनल में डॉक्टर नीलम दहिया के साथ मैडम रंजीता, मैडम सोनिका, डॉ रजनी खन्ना एवं डॉक्टर पूनम स्वयं रही। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय को कैश प्राइज से विभूषित किया गया। प्रतियोगिता स्थल पर कंप्यूटर विभाग के सभी प्राध्यापक डॉ रजनी खन्ना, डॉक्टर रुचिका, डॉक्टर कल्पना, मैडम अनु खन्ना ,मैडम रिचा बंसल ,डॉ राधा , डॉ रितु, डॉक्टर ईशा ,डॉ निधि ,डॉ सुमन, डॉ सीमा ,मैडम रश्मि ,मैडम शालू एवं सुरेंद्र उपस्थित रहे।

नए मुख्यमंत्री भी प्राइवेट स्कूल संचालकों के आगे नतमस्तक-मंच

Faridabad/Alive News

शिक्षा निदेशक पंचकूला ने एक और रिमाइंडर पत्र भेजकर 30 अप्रैल तक फार्म 6 जमा करने की रिक्वेस्ट प्राइवेट स्कूल संचालकों से की है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि हरियाणा सरकार के गजट नोटिफिकेशन 8 दिसंबर 2021 के अनुसार एक फरवरी तक सभी स्कूल संचालकों को फार्म 6 ठीक प्रकार से भरकर ऑनलाइन शिक्षा निदेशक के पास व उसकी हार्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी के पास जमा करानी चाहिए लेकिन किसी भी स्कूल ने ऐसा नहीं किया। इतना ही नहीं स्कूल संचालकों के दबाव में सरकार ने पहले 31 मार्च तक उसके बाद 15 अप्रैल तक और अब 12 अप्रैल को पत्र निकालकर 30 अप्रैल तक फार्म 6 जमा कराने की रिक्वेस्ट स्कूल संचालकों से की है। मंच का आरोप है कि है यह सब स्कूल संचालकों की सशक्त लॉबी व शिक्षा विभाग की आपसी सांठगांठ के चलते हो रहा है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओ. पी शर्मा व प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि अभिभावक जब सब तरह से लुट पीट गए, उनसे बड़ी हुई फीस वसूल ली गई तब खाना पूर्ति के लिए जरूरी फॉर्म 6 मांगा जा रहा है। मंच का कहना है कि नए बने मुख्यमंत्री नायब सैनी से अभिभावकों को कुछ उम्मीद थी कि वे प्राइवेट

स्कूलों की लूट व मनमानियों पर रोक लगाएंगे, लेकिन वे भी पूरी तरह से प्राइवेट स्कूल संचालकों के आगे नतमस्तक होते दिखाई दे रहे हैं। मंच का कहना है कि सभी प्राइवेट स्कूलों ने 1अप्रैल से शुरू हुए शिक्षा सत्र में अभिभावकों से अपनी मर्जी से बढ़ाई गई दाखिला फीस व ट्यूशन फीस (अप्रैल मई-जून) तथा अन्य फंडों में फीस वसूल ली है। ऐसे में शिक्षा निदेशक द्वारा 30 अप्रैल तक फार्म 6 पर शिक्षा सत्र 2023- 24 में अभिभावकों से वसूली गई सभी तरह की फीस,अध्यापकों को दी गई तनखा और शिक्षा सत्र 2024- 25 में की जाने वाली फीस वृद्धि का ब्यौरा व कारण व अध्यापकों की बढ़ाई जाने वाली तनख्वाह का ब्यौरा मांगने का क्या औचित्य है? यह छात्र व अभिभावकों की आंखों में धूल झोंकना है। मंच के प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा व लीगल एडवाइजर बीएस बिरदी ने कहा है कि नियमानुसार फार्म 6 पर फीस व फंड्स का ब्यौरा व अन्य सभी जानकारी एक फरवरी तक ले लेनी चाहिए जिससे उसमें लिखे गए ब्यौरे की सत्यता की जांच पड़ताल शिक्षा निदेशक कर सके। लेकिन पिछले कई सालों से ग्रीष्मकालीन छुट्टियां होने तक फार्म 6 पर ब्यौरा मांगा जाता है। तब तक अभिभावक स्कूल संचालकों की मनमानी फीस वृद्धि के शिकार हो चुके होते हैं। स्कूल प्रबंधक जो भी फीस वृद्धि लिख दें उसी को शिक्षा विभाग की मोन स्वीकृति मिल जाती है। जब जांच होती ही नहीं है तो फार्म 6 पर मांगे गए ब्यौरे का औचित्य ही क्या है? मंच की मांग है कि मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को इस बारे में सार्वजनिक रूप से अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए।

एल्पीस कान्वेंट स्कूल में बैशाखी की रही धूम

Faridabad/Alive News

गौच्छी जीवन नगर पार्ट-2 के एल्पीस कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में बैशाखी समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बैशाखी समारोह में प्राइमरी और मीडिल कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह का शुभारंभ स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मदान ने विधिवत किया। समारोह में प्राइमरी के विद्यार्थियों ने अलग-अलग बैसाखी के गीतों पर अपनी प्रस्तुति देकर आए हुए अभिभावकों का मनमोह लिया। वहीं मीडिल कक्षा के विद्यार्थीयों ने भी अपनी प्रस्तुति दी।समारोह में सभी कार्यक्रम अध्यापकों द्वारा तैयार किए गए थे। स्कूल के अध्यापकों ने अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को बैसाखी थीम पर हरियाणवी और पंजाबी परिधान का महत्व दिया। स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मदान ने बच्चों और उनके अभिभावकों को बैसाखी की शुभकामनाएं दी। उसके बाद विद्यार्थियों को बैसाखी के त्यौहार के बारे में प्रशनोतरी संवाद किया और उनके प्रश्ननों के उत्तर दिए। राजेश मदान ने बच्चों को बैसाखी त्योहार का महत्व बताया। कहा, भारत में अलग-अलग ऋतु और अलग-अलग क्षेत्र में त्योहारों का अपना महत्व है।

सतयुग दर्शन वसुन्धरा में रामनवमी के चौथे दिन भी श्रद्धालुओं का आना रहा जारी

Faridabad/Alive News

सतयुग दर्शन वसुन्धरा में आयोजित रामनवमी यज्ञ-महोत्सव में आज चतुर्थ दिन विभिन्न प्रांतों व विदेशों से असंख्य श्रद्धालुओं का आना जारी रहा। आज हवन आयोजन के उपरांत सत्संग में सजनों को सम्बोधित करते हुए सजन ने कहा आत्मबोध मोक्ष प्राप्ति का सीधा व सरल साधन है। इस संदर्भ में वर्तमान युग में प्रचलित आत्मबोध के सीमित अर्थ से परिचित कराते हुए उन्होंने कहा कि आज के समयकाल में हरेक प्राणी 'मैं हूँ' इस शारीरिक भाव को अपने स्वभाव के अंतर्गत कर, अपना स्वसिद्ध अस्तित्व घोषित करने में लगा हुआ है। अपनी इसी स्वाभाविक स्वार्थपर मानसिक मनोवृत्ति के कारण वह अपने अस्तित्व के स्थूल पहलू यानि शारीरिक पहचान तक ही सीमित रह गया है और मिथ्या शारीरिक शक्ति, देहिक सुन्दरता, बुद्धिमत्ता, भौतिक संपत्ति और उपलब्धियों, सामाजिक महत्त्व आदि की प्राप्ति पर गर्व युक्त होकर अपने को अन्य लोगों से श्रेष्ठ समझने लगा है। उन्होंने कहा कि चाहे सामान्य लोक व्यवहार में सजनों ऐसा व्यक्ति औपचारिक शिष्टाचार में मान-सम्मान पाता हुआ, सफल और सयाना गिना जाता है परन्तु हकीकत में 'मैं' और 'मेरा' तक सीमित उसकी इस मनोवृत्ति ने उसके यथार्थ आत्मबोध को विकृत बना दिया है यानि उसे आत्मविस्मृति हो गई है और वह अपनी सहज बुराईयों व कमियों से अपरिचित हो, संकल्प कुसंगी को संगी बना उस पर फतह पाने में असक्षम हो गया है। इसी 'हौं-मैं' के कारण उसका मन एकाग्र, चित्त वृत्तियाँ शांत व खूयाल अफुर नहीं हो पा रहा और वह आत्मिक ज्ञान प्राप्त कर, आत्मबोध के सर्वोच्च एवं उत्कृष्ट स्वरूप का बोध नहीं कर पा रहा। याद रखो कि यह आज के इंसान की ऐसी अज्ञानमय अवस्था है जिसके दुष्प्रभाव से वह दुश्चरित्रता अपनाकर, परमार्थ के स्थान पर स्वार्थपरता का सिद्धान्त अपना अपना व सबका विनाश कर रहा है।

ऐसा न हो इसलिए उन्होंने कहा कि मानो आत्मबोध के सर्वोच्च एवं उत्कृष्ट स्वरूप का बोध तब होता है जब मानव समभाव समदृष्टि की युक्ति के अनुशीलन द्वारा, देह और आत्मा का यथार्थ रूप जानकर, स्थूल देह एवं समस्त भौतिक पदार्थों को

अनित्य, क्षर (नाशवान) समझने लगता है और आत्मा को उनसे सर्वथा भिन्न, शाश्वत? और अविनाशी यानि अ-क्षर जानता है। इस प्रकार आत्मबोध नित्य और अनित्य के विवेक से उत्पन्न ज्ञान का बोधक होता है तथा अपनी अपरोक्ष सत्ता को सच्चिदानंद परब्रह्म से अभिन्न महसूस करने से प्राप्त होता है। इसी से जीवनमुक्त हो सकता है व परमपद की प्राप्ति हो सकती है।

इस तथ्य के दृष्टिगत उन्होंने कहा कि समभाव-समदृष्टि की युक्ति अनुसार, आध्यात्मिक चिंतन यानि एकाग्रचित्त होकर अपने मन को प्रभु में लीन कर संकल्प कुसंगी पर फतह पाने के महत्त्व को समझो। ऐसा करने पर ही संसार में रहते हुए भी वैराग्य या अनासक्ति के भाव से युक्त होकर, परम पुरुषार्थ मोक्ष को परम लक्ष्य बनाकर, उसकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हो सकोगे और यथार्थ आत्मज्ञान प्राप्त करके आत्मा के सच्चे स्वरूप का प्रत्यक्ष अनुभव कर आत्मोन्नति कर सकोगे।

सजन ने आगे कहा कि इस हेतु सर्वप्रथम अपने मन में परमपद प्राप्ति की प्रबल इच्छा जाग्रत करो। जान लो जितनी यह इच्छा प्रबल होगी उतना ही आत्मानुभूति के लिए लालायित होकर निष्कामता से परमार्थ को अपनाने की ओर प्रेरित व प्रवृत्त होंगे। यहाँ आवश्यकता होगी सत्संग व सत? शास्त्र का विचार एवं मनन करने की। मत भूलो कि शुष्क शब्दबोध से यानि वेद-शास्त्रों के मात्र अध्ययन/पठन से या उनके गायन एवं सुनने मात्र से कुछ नहीं होगा अपितु उन शब्द ब्रह्म विचारों का चिंतन कर उन्हें आचार-व्यवहार में लाना होगा और इस तरह सर्व में उस अपरोक्ष आत्मा की अनुभूति करनी होगी। इस आध्यात्मिक चिंतन से अंतर्मन का कालुष्य धुल जाएगा और अंतर्मन स्वस्थ होकर आपको परमार्थ की दिशा में ले चलेगा जिससे आप संसारी यानि शारीरिक स्वभावों की तरफ से जित पा निरंतर आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्नति करने लगोगे। इस प्रकार जब बहिर्मुखी होने के स्थान पर अंतर्मुखी हो जाओगे तो स्वत- ही हृदय में अफुरता का वातावरण पनपेगा और आपके लिए संतोष, धैर्य पर बने रह सत्य-धर्म के निष्काम रास्ते पर सुदृढ़ता से बने रहना सहज हो जाएगा।

यदि चाहते हो ऐसा ही हो तो समभाव समदृष्टि की युक्ति अनुसार, हकीकत में ब्रह्म शब्द अर्थात? प्रणव मंत्र को गुरू मानकर, सर्वव्याप्त अपनी ब्रह्म सत्ता को युक्तिसंगत ग्रहण करो और उस द्वारा प्रदत्त आत्मज्ञान को आचरण में ला निष्कामता से सत्य धर्म के रास्ते पर चल पड़ो। यह आत्मसाक्षात्कार यानि अपने असलीयत स्वरूप की पहचान कर परमपद प्राप्त करने का सबसे सरल व सहज तरीका है। इससे स्वत- ही तीनों तापों का घटता-बढ़ता टेम्प्रेचर सम हो जाएगा और फिर समभाव समदृष्टि जो एक निगाह एक दृष्टि देखनी होती है बिना यत्न के उसकी प्राप्ति हो जाएगी। यह होगा जन्म की बाज़ी को जीत इस जगत में अपना नाम रौशन करना।

Blue Bird School celebrated World Earth Day

Faridabad/Alive News

Blue Bird Middle School, K-Block NIT-5 celebrated the world Earth day on 22nd April with activities widespread to invoke the concern and action to conserve the natural resources. A rally was organized by school to celebrate the Earth day. Students from grade III to grade VIII and the teachers were part of the rally which was aimed at creating awareness for saving our environment and protecting our mother Earth. It was made successful by beautiful and attractive slogans on Earth Day and shouting of slogans by the students. Activities like poetical recitation, poster creation were held in the school campus. Director Ramesh Dutta, in his special address to the students mentioned the importance of being respective to the urgent need towards securing the natural resources.

JC Bose University organized a thought-provoking workshop on Indian Knowledge System

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, under the joint aegis of Vigyan Bharati Haryana today conducted a thought-provoking one-day workshop on 'Indian Knowledge System – A Roadmap Ahead'. Distinguished speakers, including Prof. Brij Kishore Kuthiala, former Chairman of Haryana State Higher Education Council, Vice Chancellor of Shri Vishwakarma Skill University, Shri Raj Nehru, and Professor Sanjeev Sharma from Chaudhary Charan Singh University, Meerut, shared profound insights on the future framework of the Indian Knowledge System.

The session was chaired by the University's Vice Chancellor, Prof. Sushil Kumar Tomar. The workshop commenced with the ceremonial lighting of the lamp by the distinguished speakers. Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar welcomed the invited guests and the participants. In his address, Prof. Tomar delved into the roots of Indian knowledge encapsulated in the Vedas, emphasizing the need to integrate this rich tradition into modern education systems. He underscored the inclusivity and accessibility prioritized by the Indian knowledge system, ensuring quality education transcends socio-economic barriers, empowering students from diverse backgrounds. Shri Raj Nehru highlighted the traditional roots of Indian knowledge in Dharma and Karma, connecting education with nature and environmental conservation.

Referring the significance of traditional Indian games like Chaturanga and Moksha Patam, he underscored their role in nurturing cultural values and critical thinking skills. He contrasted Western ideology, focusing on internal comfort, with India's emphasis on internal comfort and highlighted the enduring nature of the Indian knowledge system despite challenges. Prof. Sanjeev Sharma expounded on the philosophical underpinnings of Indian knowledge traditions, emphasizing the importance of questioning and curiosity in the pursuit of excellence. He emphasized the inclusivity and universal welfare ethos of Indian education, contrasting it with the more compartmentalized approach of modern education systems.

Prof. Brij Kishore Kuthiala accentuated the importance of merging ancient wisdom with contemporary knowledge, advocating for a revival of India's rich heritage. He urged enthusiastic engagement with India's rich heritage of knowledge, noting the growing interest even in international academic circles.

Program coordinator Dr. Bindu Mangala extended gratitude to the speakers, with Dean of Student Welfare Prof. Manish Vashishtha and chairperson of the Department of Communication and Media Technology Dr. Pawan Singh, deans and chairpersons of various teaching departments were present at the event.

JC Bose University conducted Electoral Awareness Program

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science and Technology, conducted an awareness programme on importance of casting the vote ahead of 2024 Lok Sabha Elections. Additional Deputy Commissioner Sh. Anand Kumar was the Chief Guest of the programme and guest of honour was Sh. Lokesh Kumar, Fitness Model and Sweep Ambassador of Election Commission.

The program was convened by Prof. Vasdev Malhotra, Nadal Officer (Election Activities) with the support provided by office of Dean Student Welfare and NSS Unit of the University. Addressing the program, ADC Anand Kumar asked the first time voters to ensure their participation in the electoral process in the Lok Sabha Elections.Fitness Model Lokesh Kumar encouraged the youth towards electoral participation and importance of casting of vote to uphold the democratic traditions of the country. More than 400 students attended the program.

Dean Student Welfare Prof Munish Vashishth and NSS Coordinator Shri Atma Ram were also present on this occasion. Appreciating the initiative taken for electoral literacy, Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar said that it is commendable that the young generation is aware about their rights and understand the importance of right to vote. He said that it is important to encourage student's participation in democracy building exercise as it is concern to the society and the nation as a whole.

World Press Freedom Day Marked with Pledges to Protect Journalists

Faridabad/Alive News

The Department of Communication & Media Technology of J.C. Bose University of Science & Technology, YMCA, Faridabad, Haryana observed the World Press Freedom Day on 3rd May 2024. The chairperson of the department with all faculty members, staff, and media students took a pledge to continue work for the voice of the voiceless. The pledge was took to uphold the principles of truth, impartiality, and public service in journalism ensuring that the trust and confidence of the public in journalism are never compromised. On this occasion, Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar congratulated the department. The chairperson, Dr. Pawan Singh said "Journalism is a responsible and challenging profession. Being media teachers we get certain privileges and it is our duty to use these privileges for the betterment of society. Our wrong writing and reporting can destroy the careers of people and also cause social tension. Therefore, we should always do a lot of fact-checking before reporting on any issue". Dr. Bharat Dhiman, Assistant Professor of the department, coordinated the event. The World Press Freedom Day is celebrated every year on 3rd May. It was proclaimed by the UN General Assembly in December 1993, following the recommendation of UNESCO's General Conference.

Manav Sanskar School celebrated earth day with great enthusiasm

Faridabad/Alive News

Manav Sanskar Public School, Dheeraj Nagar Palla, celebrated earth day on Monday with great deal of enthusiasm. A special assembly marked the event with the theme. The students and staff members took active part in various activities. The main aim of the event was to motivate & spread awareness among the students on some ways to save the mother Earth.

The program began with a thoughtful speech delivered by AKRITI of class IX. Then little ones of CLASS Ist presented the valuable views on the Earth Day and were informed about the importance of Earth day.

Afterwards, Students were involved in lots of different activities like Thumb printing, Hand printing & leaf printing etc.

The students participated in all the activities with great ardour thus made it successful. They pledged to spread the awareness for growing more trees. A little efforts made by each of us can make a huge difference to the overall environment of Earth. At the end of Assembly Respected Managing Director and Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj guiding the students to work for the environment gave valuable information about "Dry and Wet Garbage segregation" and save natural resources.

DAV NH-3 celebrated earth day with great enthusiasm

Faridabad/Alive News

DAV NH-3 , celebrated earth day on Monday with great deal of enthusiasm. A special assembly marked the event with the theme. The students and staff members took active part in various activities. The main aim of the event was to motivate & spread awareness among the students on some ways to save the mother Earth. The program began with a thoughtful speech delivered by Zoya of class II. Then little ones of LKG presented the valuable views on the Earth Day and were informed about the importance of Earth day. Afterwards, Students were involved in lots of different activities like Thumb printing, Hand printing & leaf printing etc. Jubilant kids of class II had presented the dance on "kaato mat mujhe" won the hearts of the audience. The students participated in all the activities with great ardour thus made it successful. They pledged to spread the awareness for growing more trees. A little efforts made by each of us can make a huge difference to the overall environment of Earth. At the end school Principal Jyoti Dahiya guiding the students to work for the environment gave valuable information about "Dry and Wet Garbage segregation" and save natural resources.

Manav Sanskar School celebrated Baisakhi and Ambedkar Jayanti

Faridabad/Alive News

To sustain the pious Indian fervor and culture, festivals and Jayantis are celebrated in Manav Sanskar Public School, Dheeraj Nagar to revive the old traditional values and connect students to their ancient roots. The premises of the school reverberated with celebrations today. A special assembly was held to mark the occasion. The festival of Baisakhi and Ambedkar

Jayanti celebration began with the speech by Deepali of class IX-A. The colourful culture of Punjab was portrayed by LKG & UKG students through dance performances. Jubilant Kids of class I presented the Punjabi folk dance. The teachers told the children about the importance of festival. On BAISAKHI day Guru Gobind Singh selected the Panj Piaras & established Khalsa Panth. School's purpose was to make them aware about historical background of this festival.

To pay tribute to Dr. B.R Ambedkar, the birth anniversary of Baba saheb was celebrated by MSPians on the same day. Teachers taught the students about his remarkable contribution in framing the entire Indian Constitution after independence. They also learned the fundamental rights and duties of every citizen of India as stated in the Constitution of India.At conclusion of the event, Director sir praised the efforts of tiny tots. He motivated little pearls of MSPS to shine in society by doing their duties for country. Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj spoke on the impact and significance of Baba Saheb's ideology during the freedom struggle. She motivated the students to follow in his footsteps and inculcate his values in their lives to achieve their aim and uplift society and wished the students Happy Baisakhi.

DAV School Ballabhgarh organized a workshop for parents of LKG students

Faridabad/Alive News

"The more that you read the more that you know

The more that you learn the more places you will go."

Faridabad News: DAV Public school Ballabgarh held a phonics workshop for the parents of LKG students which aimed to equip the parents with valuable insights and activities to support their children's literacy development.

The workshop covered various phonics concepts and methodologies tailored for young learners. It fostered a supportive home environment for phonics learning. The session also involved hands on activities for parents to practice phonics with their children. The school will continue to collaborate with parents so that we all remain on the same page and bring the best out of the child.

Expert Lecture on Navigating Narratives as medium of Media Ecosystem

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science & Technology, YMCA, has organized an expert lecture on "Navigating Narratives as medium of Media Ecosystem" for faculty and media students on 19th April 2024. The programme was inaugurated by guest speaker Shri. Umesh Upadhyay, Senior Journalist, Prof. S.K. Tomar, Vice-Chancellor, Dr. Pawan Singh, Chairperson and other dignitaries. The programme was coordinated by Dr. Bharat Dhiman and Dr. Taruna Narula, Assistant Professor of the department. The guest speaker for the Lecture was Shri. Umesh Upadhyay who is a veteran journalist and communicator with four decades of experience in print, radio, TV, and digital media. The Lecture commenced with a welcome address by Dr. Pawan Singh, Chairperson of the department. During the session, Shri. Umesh talked on Western Media Narratives on India. He explained how cultural imperialism influences the Third-World nations. He stressed on India, that how the narrative spans from the nation's independence in 1947 to the present day, scrutinizing the relentless targeting of Indian leadership by the dominant Western English media. He also highlighted about his book "Western Media Narratives on India From Gandhi to Modi" He stated that the Western media crafted a narrative portraying India's response to the disaster as chaotic, forecasting a staggering death toll reminiscent of the Spanish Flu of 1918. He further elaborated that the Western media's approach to India shows how the English press continues to perpetuate the West's long-held prejudices against India. Drawing heavily from history, the book critically analyses and unravels the origins and causes of this bias. While rooted in the Indian experience, the lessons derived hold universal relevance for any nation grappling with the shadows of colonization. After the session, Author Signature ceremony was held with the keynote thanks to all the dignitaries present on the occasion. Students acquired a practical exposure to Western Media narrative on India and its importance in today's time. At the end of the program, chairperson expressed his gratitude to all the students, teachers, and the chief guest. The chairperson also congratulated and appreciated the effort made by the faculty member and promised to organize a more practical exposure lecture for students in the future.

डीएवी स्कूल ने मनाया महात्मा हंसराज जी का 160वां जन्मोत्सव

Faridabad/Alive News

सेक्टर-37 डीएवी पब्लिक स्कूल ने शक्रवार को मूर्ति महात्मा हंसराज जी का 160 जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर छात्रों ने वेद मंत्र और हंसराज जी का जीवन परिचय के साथ साथ उनके द्वारा किये सामाजिक, व शिक्षा के क्षेत्र में कार्यो के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही स्वामी दयानंद जी के कार्यो व उनकी 100वीं जन्म तिथि पर उनकी जन्मभूमि टंकारा पर हुए अद्भुत कार्यक्रम के साथ साथ डी.ए.वी के छात्रों ने मिलकर डी.ए.वी. स्कूल पानीपत में 2 फरवरी 2024 को 5100 कुण्डीय यज्ञ किया और इसके विषय में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर महात्मा जी के जीवन पर मार्मिक भजन की प्रस्तुति दी गई। स्कूल की प्राचार्या दीप्ति जगोता ने पूर्व में यज्ञ में भाग लेने वाले छात्रों को यज्ञ कुंड आदि देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि स्वामी दयानन्द जी का समाज के लिए क्या योगदान था और बताया कि महात्मा हंसराज जी का डीएवी को चलाने और उसे विश्व स्तर पर आगे बढ़ाने में कितना योगदान था।

'चिन्हित अपराध' के मामलों की पैरवी मजबूती से करें प्रशासनः डीसी

Faridabad/Alive News

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी चिन्हित अपराधों के मामलों की पैरवी मजबूती से करें ताकि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके तथा सबूतों के अवाभ में कोई भी दोषी कानूनी कार्यवाही से बच न पाए। उन्होंने कहा कि खूंखार अपराधियों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करवाएं। जिससे प्रशासन का कीमती समय और साधन बर्बाद ना हो। विक्रम सिंह आज मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद की अध्यक्षता में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित 22वीं राज्य स्तरीय चिन्हित अपराध कमेटी की समीक्षा बैठक के उपरान्त प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जिला में अभी तक जो केस अंडर ट्रायल चल रहे हैं उन सभी केसों की फास्ट्रेक मोड पर सुनवाई करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि चिन्हित केसों के चालान न्यायालय में पुख्ता सबूत के साथ पेश करें। जिससे सबूतों के आभाव में कोई अपराधी क़ानून से बच न पाए। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियो और जिला न्यायवादी को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि चिन्हित केसों की गवाही सही समय पर न्यायालय में पुख्ता सबूत के साथ सुनिश्चित करवाएं।

डीसी ने कहा कि जिला फरीदाबाद में चिन्हित अपराध के तहत आने वाले मामलों की जांच पुलिस विभाग पूरी गहनता से कर रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि चिन्हित अपराधों में सुरक्षा समीक्षा, एससी-एसटी एक्ट, पोस्को सहित ऐसे मामलों की

जांच संबंधित पूरी प्रक्रिया की रिपोर्ट बारे उपायुक्त कार्यालय को अवश्य अवगत करवाया जाए। वहीं डीसी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे चिह्नित अपराध में कोर्ट में जाने से पहले अच्छी तरह जांच कर सनसनीखेज मामलों की रिपोर्ट बनाएं और उन पर पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्यवाही बारे उन्हें अवगत करवाया जाए।

इन केसों की जांच गहनता से करें

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि पोक्सो एक्ट, 302, 307, 395, 376, 354, 304 बी, एनडीपीएस कमर्शियल, एमटीपी, पीसी एक्ट करप्शन मामले ये सभी चिह्नित अपराध के तहत आते हैं। ऐसे मामलों में गहनता से जांच कर केस अदालत में पेश किया जाये। कोई भी अपराधी कोर्ट में केस की मजबूती न होने के कारण बचकर नहीं निकलना चाहिए। कोर्ट में पेशी से पूर्व साक्ष्यों ओर तथ्यों की मजबूती सुनिश्चित की जाए। किसी मामले में अगर कोई पुलिस का जवान शहीद होता है, तो ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की देरी या कोताही न बरती जाए। डीसी ने पुलिस को निर्देश दिये कि कोई मामला अगर चिन्हित अपराध में आता है, तो उस पर निष्पक्ष रूप से जांच की जाए, जांच के हर पहलु को बारिकी से परखा जाए। उन्होंने सनसनीखेज अपराधों पर भी समीक्षा की और पुलिस विभाग के अधिकारी से कहा कि ऐसे केसों को भी चिन्हित अपराध के तहत लिए जाए और मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और केस दर्ज करना सुनिश्चित किया जाए। वहीं चिन्हित केसों के ऐसे अपराधी जो न्यायालय के भगौडे हैं। उनको भी पकड कर पेश करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला न्यायवादी, पुलिस विभाग व सम्बंधित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में 7.59 करोड़ हड़पने के मामले में 16 गिरफ्तार

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में हुई अब तक की सबसे बड़ी साइबर ठगी के मामले पर फरीदाबाद पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस साइबर ठगी के तार चीन से भी जुड़े हुए हैं। इस मामले में अब तक अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से भारी मात्रा में अलग-अलग बैंकों की पासबुक व चेक बुक, सैकड़ों सिम कार्ड समेत 14 लाख की नकदी भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियो में गिरफ्तार आरोपियो में प्रशान्त कुमार(34) (12 कक्ष) वासी बैंगलोर कर्नाटक,, सईद मो. जिशान(22)(बीटेक) वासी गांव कुसुर कंला जिला सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश, सईद सुहेल(32) (12 कक्ष) वासी गांव नथर जिला सिदार्थ नगर उत्तर प्रदेश, हरि किशन(27)(9 कक्षा) वासी कोटगेट बीकानेर राजस्थान, राम सिंह उर्फ ढल्लु(37)(बीबीए) वासी मुक्ता प्रसाद नगर बीकानेर राजस्थान, आकाश (27)(बीए) वासी टण्डन रोड आदर्श नगर दिल्ली, रोहित (34) (12 कक्ष) वासी आदर्श नगर दिल्ली, महेन्द्र उर्फ रितेश(26)(12 कक्ष) वासी भोपालगढ जोधपुर राजस्थान, दिनेश कुमार(26)(बीए) वासी सारण नगर बनाड जोधपुर, दिपेन्द्र(31) वासी रामपरस्ता ग्रीन सैक्टर 7 वैशाली गाजियाबाद, रिंकू(30) (12 कक्ष) वासी बीकानेर राजस्थान का, इंद्रजीत(36) (12 कक्ष) वासी लोधी रोड बीकानेर राजस्थान, राहुल(28) एमटेक वासी पुगल रोड बीकानेर तथा आरोपी दिनेश कुमार(31)(बीए) रानी बाजार बीकानेर का रहने वाले का नाम शामिल है। साइबर पुलिस टीम ने राहुल अपने गुप्त सूत्रों से व तकनीकी सहायता से गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल को वारदात में प्रयोगशुदा एक मोबाइल फोन बरामद करवाया। आरोपी रिंकू , इन्द्रजीत , कैलाश और राहुल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर पूछताछ व वरामदगी के लिए 6 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया । पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी दिनेश को गिरफ्तार किया गया जिसको अदालत में पेश कर 03 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। दरअसल, बीते दिनों फरीदाबाद के सेक्टर 15 की रहने वाली एक लडकी ने साइबर पुलिस को शिकायत दी थी। जिसमें उसने स्टॉक मार्केट में करीब 7 करोड़ 59 लख रुपए की ठगी होना बताया था।

टैक्स जमा न करने पर नगर निगम ने बीएसएनएल कार्यालय को किया सील

Faridabad/Alive News

साढ़े छह करोड़ रुपये बकाया टैक्स न जमा होने पर नगर निगम ने सेक्टर-15ए स्थित बीएसएनएल कार्यालय को मंगलवार सुबह सील कर दिया। यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। सुबह कार्यालय आए बीएसएनएल अधिकारी और कर्मचारी गेट के बाहर इंतजार करते रहे। दिल्ली के मुख्य कार्यालय तक सूचना पहुंची तो अधिकारी फरीदाबाद पहुंच गए और निर्वाचन आयोग में शिकायत भी दर्ज कराई। बाद में निर्वाचन कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद निगम को कुछ ही घंटे में स्वयं सील खोली। सूत्रों के अनुसार, नगर निगम फरीदाबाद का बीएसएनएल कार्यालय पर सात से अधिक वर्षों का कर बकाया है। वसूली के लिए निगम प्रशासन ने पूर्व में कई नोटिस दिए। बताया जा रहा है बार-बार नोटिस के बाद भी बीएसएलएल कार्यालय की ओर से बकाया नहीं चुकाया गया। कई वर्षों का बकाया होने के चलते प्रॉपर्टी टैक्स और उसपर ब्याज की रकम करीब साढ़े छह करोड़ रुपये पहुंच गई। मंगलवार सुबह नगर निगम के अधिकारियों ने सेक्टर-15ए स्थित बीएसएनएल कार्यालय सील कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही अधिकारी व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। बात दिल्ली में बीएसएनएल अधिकारियों तक गई। दिल्ली तक के बीएसएनएल अधिकारी फरीदाबाद आ गए। बताया जाता है कि बीएसएनएल अधिकारियों ने चुनाव संबंधी भी काम चलने का हवाला देते हुए आयोग में शिकायत की। चुनाव आयोग के हस्तक्षेप के बाद तीन से चार घंटे में ही निगम को सील खोलनी पड़ गई। हालांकि, इस मामले में नगर निगम का कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

जीवा स्कूल के छात्रों ने दर्ज कराया गिनीज वर्ल्ड बुक में अपना रिकॉर्ड

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड दर्ज कराया और यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा वास्तव में ही उत्कृष्ट है। जीवा पब्लिक स्कूल के छात्र प्राय पर्यावरण संरक्षण से संबंधित बहुत से करते हैं। अभी हाल ही में विद्यालय के कक्षा छठी से लेकर बारहवीं तक के छात्रों ने एक कीर्तिमान बनाया छात्रों ने कागज़ की बर्बादी और पर्यावयण को बचाने के उद्देश्य से एक दान अभियान शुरू किया। इस अभियान में सभी छात्रों से अपील किया गया कि वे अपनी अनुपयोगी किताबें या नोट-बुक उदारतापूर्वक दान करें। छात्र यह सभी सामग्री एकत्र करके विद्यालय के इंट्रैक्ट क्लब को देते हैं और इंट्रैक्ट की इंचार्ज दीपा गाबा इन्हें ब्लू प्लैनेट कंपनी को दे देती हैं। विद्यालय ने यह अभियान ब्लू प्लैनेट कंपनी के साथ मिलकर किया। ब्लू प्लैनेट कंपनी ने कागज की बर्बादी को कम करने और पर्यावरण को

सुरक्षित रखने के लिए स्कूलों के साथ मिलकर बेकार कागज संग्रहण का आयोजन किया है। जीवा स्कूल के छात्रों ने 24 घंटे के भीतर वेस्ट पेपर कलेक्शन का एक शानदार रिकॉर्ड बनाया और इसे विश्व गिनीज बुक में दर्ज किया गया है, पहले यह रिकॉर्ड अमेरिका के नाम पर था। अब यह भारत के नाम पर है। छात्रों को कागज की बर्बादी कम करने और पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करने के लिए जीवा ने भी छात्रों के साथ इस सहयोग में भाग लिया है। जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों को एस.ओ.ई. करवाई जाती है जिसमें उन्हें अपने आसपास के पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी जाती है। छात्र नियमित रूप से कार्य को करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने सभी छात्रों एवं अध्यापकों को बधाई दी।

शरद फाउंडेशन द्वारा ' गुफ्तगू कार्यक्रम ' का आयोजन

Faridabad/Alive News

शरद फाउंडेशन द्वारा 12 वर्षों में यूं तो अनेक सामाजिक कार्य किए जा चुके हैं और वर्तमान में भी अनवरत जारी है ,चाहे वह गरीब बच्चों की शिक्षा की बात हो या सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, लीगल एड, स्वरोजगर एवं कौशल विकास, भिक्षावृत्ति के खिलाफ मुहिम, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, शहर सौंदर्यीकरण एवं अन्य अभियान की सभी कार्यों को शरद फाउंडेशन ने बड़ी कुशलता से निभाया है।

संस्था द्वारा वर्तमान में बच्चो के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए एक कार्यक्रम आरंभ किया है जिसे ÷ गुफ्तगू ÷ नाम दिया है, इसके अंतर्गत किसी भी क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व के साथ संस्था में पढ़ रहे बच्चों का संवाद कराया जाता है जिससे बच्चों को उस सफल व्यक्ति के जीवन के बारे में जानने का मौका मिले ताकि वे उनसे प्रेरित होकर अपने जीवन में भी सफलता को प्राप्त करें।

इस बार गुफ्तगू कार्यक्रम के तीसरे एपिसोड में समाजसेवी एवं राजनेता हरेंद्र सिंह भाटी थे आपको बता दें वे आप आदमी पार्टी के फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष भी हैं वे एक युवा नेता हैं। बच्चों ने आप पार्टी के नेता हरेंद्र भाटी के साथ गुफ्तगू के माध्यम से उनके जीवन और सफलता के बारे में जाना। आप नेता हरेंद्र भाटी ने बच्चों को पढ़ाई पर फोकस करने और सफलता के मंत्र दिए।

हरेंद्र भाटी ने बच्चों एवं आए हुए मेहमानों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए और संस्था के निमंत्रण , मान

सम्मान के लिए आभार जताया। उन्होंने संस्था के कार्यो से अभिभूत होकर 5100 रूपए के अनुदान की घोषणा भी की जिसके लिए संस्था ने उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ एस एन पांडे, डॉ हेमलता शर्मा , अरविंद शर्मा , वरिष्ठ पत्रकार एवं संस्था के ट्रस्टी दीपक शर्मा, राजीव शर्मा , वरिष्ठ पत्रकार तिलक राज शर्मा, और अन्य टीम सदस्य उपस्थित रहे।

टेरा लेवेनियम सोसायटी में फायर सिस्टम की टेस्टिंग के दौरान पाइप फटा

Faridabad/Alive News

सेक्टर- 75 स्थित टेरा लेवेनियम सोसायटी के ए टॉवर में फायर सिस्टम की टेस्टिंग के दौरान तेज धमाका हुआ और पानी की पाइप लाइन फट गई। इससे सोसायटी के करीब 8 टावरों में बने फ्लैट और ऑफिस में पानी भर गया। धमाके होते ही सोसायटी के लोगों के बीच भगदड़ मच गई और लोग चीखते चिल्लाते हुए सोसायटी ग्राउंड में पहुंचे। लोगों ने मेंटनेंस ऑफिस में जाकर धमाके के बारे में जानकारी लेनी चाही, लेकिन ऑफिस में कोई मौजूद नहीं था। सभी स्टाफ ऑफिस छोड़कर भाग चुके थे। टेरा लेवेनियम सोसायटी ए टॉवर निवासी डॉक्टर संजय गर्ग ने बताया कि ए टावर में करीब 500 से अधिक फैमिली रहती है। गुरुवार की दोपहर को सोसायटी के मेंटेनेंस कर्मी रेजिडेंट को बिना जानकारी दिए टावर में लगे फायर सिस्टम की अचानक टेस्टिंग करने लगे। तभी फायर सिस्टम की पानी की लाइन में बलास्ट हो गया और पूरे टावर में पानी भर गया। फ्लैटों में पानी भरने से लोगों का बेड, सोफा और घर में लगा इलेक्ट्रिक समान खराब हो गया है। बच्चें काफी डरे हुए है। इसके अलावा संजय गर्ग ने बताया कि वह यहां पिछले एक साल से रह रहे है। बिल्डर ने उन्हें पजेशन तो दे दिया है लेकिन ओसी अब तक नहीं मिली हैं। यहां लोगों से मेंटेनेस के नाम पर हर माह 1650 रूपये वसूले जाते है। लेकिन कोई सुविधा नहीं मिलती। यहां सोसायटी में सीढ़ियों पर कूड़ा पड़ा रहता है। बिजली और पानी की किल्लत से लोग जूझ रहे है। इस बारे में जब लोग मेंटेनेंस ऑफिस में जाकर मैनेजर से शिकायत करते है तो वह लोगों से लड़ाई झगड़ा करने लगता है।

एनआईटी जोन में फ्लैग मार्च निकालकर पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

फ्लैग मार्च चिमनी बाई चौक फ्लैग मार्च का काफिला सहायक पुलिस आयुक्त मुजेसर फरीदाबाद कि निगरानी में थाना एस . जी.एम नगर से चलकर 4/5 का चौक मुल्ला होटल से मेहता स्वीटस से पैदल मार्च से बांध रोड़ फुट रोड से नूरानी मस्जिद सरकारी स्कूल के सामने से ङ्क होकर लेयर चौक से पैदल ङ्क सैक्टर 48 बड़खल रेड लाईट रशिदिया मस्जिद अनखीर गांव ङ्क से मैन रोड़ अनखीर से गाड़ी में सवार होकर वापिस अनंग चौक से सूरजकुण्ड थाना से दयाल बाग लक्कड़पुर गांव फाटक से ग्रीन फिल्ड कालोनी चौकी के सामने से ङ्क 22 फुट रोड़ ङ्क 33 ङ्क कुम्हार वाली गली बड़खल गेट से गाड़ी में सवार बी . आर . पब्लिक स्कूल के सामने अनंगपुर चौक सूरजकुण्ड गोल चक प्लासर इण्डीया कम्पनी 1 से अनंगपुर गांव बुलबुल मार्केट गुरुकुल रोड . मेवला महाराजपुर अंडर पास सैक्टर 46 पुलिस चौकी के सामने से सैक्टर 46 मैन मार्केट वेल्डिंग चौक ङ्क सैक्टर 45 खेड़ा देवता मन्दिर सर्वओम वापिस मेवला महाराजपूर अंडरपास से पैदल सरकारी स्कुल + मेवला महाराजपूर ङ्क रेलवे फाटक से

गुजर चौक ने सैक्टर 46 रोड़ से गाड़ी में सवार होकर से सैक्टर 21ष्ट मार्केट + सी.पी. आफिस के सामने से अनखीर चौक पर समापन हुआ।

पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को जागरूक करते हुए जागरूकता स्लोगन के साथ पैदल मार्च निकाल कर इस चुनाव में आप अपने मतअधिकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष एव शांतिपूर्ण तरिके से प्रयोग करे। चुनाव में हमारा मताधिकार से चुने गए प्रतिनिधि द्वारा देश व राज्य में सरकार चुनी जाती है। जो हमारे विकास के लिए कार्य करती है।फ्लैग मार्च के दौरान आमजन को जागरूक किया गया। चुनाव में शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस का सहयोग करें। चुनाव के दौरान नशा तस्करों पर विशेष ध्यान रखें और किसी भी प्रकार के अपराध की जानकारी होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को देकर पुलिस प्रशासन के कार्यों में मदद करने के लिए प्रेरित किया है।

यातायात पुलिस ने ट्रैफिक नियमों के प्रति बस ड्राइवर सहित विद्यार्थियों को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

डीसीपी ट्रैफिक ऊषा के मार्गदर्शन में के आर मंगलम वर्ल्ड स्कूल सेक्टर 88 तथा सरस्वती ग्लोबल स्कूल तिगांव में ट्रैफिक इंस्पेक्टर सतीश कुमार द्वारा विद्यार्थियों एवं स्कूल बस ड्राइवर को यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा एवं महिला विरुद्ध अपराध की जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम ने सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करते हुए जानकारी दी कि वाहन चालक सड़क पर यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन करें तथा दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करे तथा बस ड्राइवर स्कूल बस में सभी निर्धारित मानकों के अंतर्गत वाहन चलायें ।स्कूल बस चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। वाहन चलाने से पहले अपने वाहन को चेक कर लें, करने चेक करने के बाद ही यात्रा के लिए निकले। किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना घटित होने पर लोगों की मदद अवश्य करें तथा पुलिस को सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 का उपयोग करें। महिला सुरक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा डायल 112 ऐप बनाई गई है जिसमें महिलाएं अपना रजिस्ट्रेशन करें ताकि पुलिस से सहायता लेते समय उन्हें अपनी सारी जानकारी दोबारा से पुलिस कंट्रोल रूम को न बतानी पड़े और जल्दी से जल्दी पुलिस सहायता आप तक पहुंच सके।

विजय प्रताप ने प्राप्त किया संकट मोचन हनुमान जी का आशीर्वाद

Faridabad/Alive News

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर शहर भर में आयोजित कार्यक्रमों में कांग्रेस नेता विजय प्रताप सिंह ने शिरकत की ओर हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की शरण में जाने वाले के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। विजय प्रताप ने एनआईटी 2 बी ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की ओर मंदिर से निकली झांकियों में हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अलावा विजय प्रताप सिंह ने एनआईटी 2 स्थित सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में आयोजित चौकी में भाग लिया और एनआईटी 1 स्थित एफ ब्लॉक मंदिर में हनुमान जी की चौकी में भाग लेकर आशीर्वाद लिया। विजय प्रताप ने कहा कि संकट मोचन के नाम से प्रसिद्ध भगवान हनुमान सबसे लोकप्रिय अवतार हैं। भगवान शिव के वरदान की वजह से उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है। हनुमान जी बल, बुद्धि, युक्ति, ज्ञान में सबसे अव्वल थे। हनुमान जी ने कई राक्षषों का वध कर उनके आतंक से कई ग्राम वासियों को भय मुक्त किया। भगवान सूर्यदेव का अहंकार तोडने के लिए उन्होंने फल समझकर उनको अपने अपने पेट में धारण कर लिया और भगवान शिव के आग्रह करने पर सूर्यदेव को मुक्त किया। . उनको सभी देवी देवताओं से अनेक वरदान प्राप्त थे जिससे वो जग कल्याण में भगवान राम की सहायता करने में सक्षम हो पाए। आज भी हनुमान जी महाराज की पूजन का विशेष महत्व है। शुभ मुहूर्त में भगवान का स्मरण करने से सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

थर्डजेंडर मतदाताओं से करेगें वोट की अपीलः एडीसी

Faridabad/Alive News

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के दिशा-निर्देश पर एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि थर्डजेंडर समुदाय को स्वीप एक्टिविटी का भागीदार बनाया जाएगा। एडीसी आनन्द शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय में थर्डजेंडर समुदाय के लोगों के साथ बैठक आयोजित की गई। एडीसी कम स्वीप एक्टिविटी के जिला नोडल अधिकारी आनंद शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आगामी 25 मई को लोकतंत्र के महापर्व में स्वयं भागीदारी सुनिश्चित करें और अन्य लोगों को भी जागरूकता अभियान के तहत प्रेरित करें। एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोकतंत्र के फेस्टिवल में जिला प्रशासन का प्रयास है कि युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं सहित तमाम मतदाताओं को मतदान के लिए चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूक करें इसी कड़ी में आज थर्डजेंडर समुदाय के लोगों के साथ बैठक करके उन्हें भी लोकतंत्र के महापर्व पर भागीदार बनाया जाएगा और उन्हें अन्य लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

ईसीआई द्वारा की गई कई सुविधाएं शुरू

एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जिला फरीदाबाद में भारत निर्वाचन आयोग/ईसीआई ने कई सुविधाएं शुरू की हैं जैसे व्हीलचेयर, रैंप, स्वयंसेवक,

निःशुल्क 'आने-जाने' वाली परिवहन सुविधाएं और कतार- कम मतदान जैसी कुछ सुविधाएं हर बुजुर्ग मतदाता के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा, हमारा बुजुर्ग मतदाता भी घर बैठे भी अपना वोट परोक्षी मतदान प्रक्रिया के तहत वोट डालवा सकते हैं। बैठक में थर्डजेंडर सलोनी कौर, जोया, सपना, मकसूम, राहुल, नीरज/ निशां शर्मा, सिम्मी, आकृति शाह, प्रार्थना, अमृता, सुरभि, राज, अनुराग, जिगर उपस्थित रहे।

भाजपा की दमनकारी नीति से नहीं झुकने वाली देश की जनता : दीपक बावरिया

Faridabad/Alive News

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया ने शुक्रवार को फरीदाबाद की धरती से हरियाणा में परिवर्तन की हुंकार भरते हुए कहा कि साल 2024 देश की दिशा और दशा बदलने वाला है। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि देश-प्रदेश में भाजपा ईस्ट इंडिया कंपनी की तर्ज पर कार्य करते हुए दमनकारी नीति अपनाकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। लेकिन अब देश की जनता इनके जोर-जुम्मों के आगे झुकने वाली नहीं है और आने वाले चुनावों में वोट की चोट से चलता करेगी। बाबरिया शुक्रवार को फरीदाबाद के सेक्टर-12 मैदान में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह के पक्ष में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक शारदा राठौर, पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया, पूर्व विधायक ललित नागर, पूर्व विधायक योगेश शर्मा, वरिष्ठ नेता विजय प्रताप सिंह, लखन कुमार सिंगला, मोहम्मद इसराईल चौधरी सहित लोकसभा क्षेत्र के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दीपक बाबरिया ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की सरकार देश के मात्र एक प्रतिशत उद्योगपतियों के हित में कार्य कर रही है और 80 प्रतिशत जनता अपनी बेहाली पर आंसू बहा रही है। इलेक्ट्राल बांड के जरिए देश को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में कानून का शासन खत्म हो रहा है। मौजूदा सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किया है। आज देश का युवा बेराजगारी के दलदल में फंसता जा रहा है जो एक बडी चिंता का विषय है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया भारी भीड से गदगद उपस्थित जनसैलाब को वचन दिया कि कांग्रेस की सरकार बनते हुए आम गरीबों के हित में कार्य किया जाएगा। कांग्रेस की सरकार जीरो टोलरेंश की नीति अपनाते हुए हर वर्ग के हत्थान के लिए कार्य करेगा। उन्होंने सरेआम ऐलान किया कि गरीबों के आसियाने पर बलडोजर चलाने की नीति को पूरी तरह से खत्म किया जाएगा क्योंकि कांग्रेस ने हमेश गरीबों को बसाने का कार्य किया जबकि भाजपा ने गरीबों को उजाडने का कार्य किया है। उन्होंने महिलाओं के उत्थान का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार महिलाओं के हितों में कार्य करेगी। गरीब महिलाओं को एक लाख सालाना दिया जाएगा वहीं युवाओं को भी एक लाख सालाना बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

पांचवे दिन 8 उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन

Faridabad/Alive News

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि नामांकन की पांचवे दिन शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी सहित आठ लोगों ने नामांकन दाखिल किए। उन्होंने बताया कि पहले, दूसरे दिन कोई नामांकन नहीं और तीसरे दिन तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे।

इसी प्रकार आज शुक्रवार को पांचवे दिन आठ प्रत्याशियों में नामांकन पत्र दाखिल करने वालों में आदिम भारतीय दल के हरिशंकर राजवंश, इण्डियन नैशनल कांग्रेस के महेन्द्र प्रताप सिंह, जेजेपी पार्टी की कवरिंग कैंडिडेट तान्या हुड्डा, निर्दलीय सुरेन्द्र कुमार सैनी, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के श्याम सुन्दर, राष्ट्रीय विकास पार्टी के महेश प्रताप शर्मा और बहुजन मुक्ति पार्टी के लेखराम ने जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं जेजेपी प्रत्याशी नलिन हुड्डा द्वारा आज एक फॉर्म सेट जमा कराया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर 10-फरीदाबाद लोकसभा के लिए गत सोमवार को अधिसूचना जारी करने के साथ ही आम चुनाव के लिए नामांकन का कार्य भी शुरू हो गया था।

निजी स्कूलों के खातों की जांच व ऑडिट सीएजी से कराने की मंच ने रखी मांग

Faridabad/Alive News

हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि प्राइवेट स्कूलों के पास काफी मात्रा में सरप्लस व रिजर्व फंड मौजूद होता है और वे लाभ में होते हैं उसके बावजूद वे हर साल ट्यूशन फीस में बेतहाशा वृद्धि करते हैं। मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओपी शर्मा और प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि अगर उनके पिछले 10 सालों के खातों की जांच व ऑडिट सीएजी से करायी जाए तो उनके पास और अधिक सरप्लस फंड मिलेगा इसके अलावा उन्होंने जो लाभ के पैसे को अन्य जगह ट्रांसफर किया है और खातों में गड़बड़ी की है उसका भी पता चल जाएगा। मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वे प्रदेश के सभी प्राइवेट स्कूलों के पिछले 10 साल के खातों की जांच व ऑडिट ष्टत्र से कराएं जिससे पता चल सके की स्कूल लाभ में हैं या हानि में । मंच के प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा व लीगल एडवाइजर एडवोकेट बीएस बिरदी ने कहा है कि मंच ने शिक्षा निदेशक कार्यालय पंचकुला व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय फरीदाबाद में आरटीआई लगाकर फरीदाबाद के 36 प्राइवेट स्कूलों के पिछले 3 साल के फार्म 6 व उसके साथ लगाई गई ऑडिट रिपोर्ट व बैलेंस शीट की कॉपी मांगी है। जिससे पता चल सके कि उनके पास कितना सरप्लस व रिज़र्व फंड है। मंच का आरोप है कि स्कूल प्रबंधक ट्यूशन फीस के अलावा वार्षिक शुल्क, दाखिला शुल्क, विकास शुल्क, सुरक्षा शुल्क, कैपिटेशन, कंप्यूटर, परीक्षा शुल्क आदि नामों से फीस वसूलते हैं लेकिन फॉर्म 6 में सिर्फ ट्यूशन फीस में ली गई फीस ही दिखाते हैं इसके अलावा ऑडिट रिपोर्ट व बैलेंस शीट में गैर जरूरी व अनाप शनाप खर्चे जैसे लीगल, पैकिंग, एडवरटाइजमेंट, मनोरंजन, टूर एंड ट्रैवल, वार्षिक उत्सव, एनुअल डे, डोनेशन, स्कूल के नाम से जमीन खरीदने आदि अन्य कई गैर कानूनी मदों में लाखों रुपए खर्च दिखा कर अपने स्कूल को घाटे में दिखाते हैं। इतना ही नहीं स्कूल प्रबंधक स्कूल के लाभ का काफी पैसा अपने अन्य बिजनेस में लगाते हैं या बाहर डायवर्ट करते हैं जो पूरी तरह से गैरकानूनी है। मंच ऐसे ही गैर कानूनी कार्यों की जांच पड़ताल करके दोषी स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेगा।

कर्मभूमि स्कूल के 25 विद्यार्थी मैरिट लिस्ट में, शानदार रिजल्ट

Faridabad/Alive News

पर्वतीय कॉलोनी नैन मार्केट स्थित कर्मभूमि सीनियर सैकंडरी स्कूल का हरियाणा बोर्ड बारहवीं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। कुल 124 विद्यार्थियों ने स्कूल की ओर से परीक्षा दी थी जिसमें 25 विद्यार्थियों ने मैरिट लिस्ट में और प्रथम श्रेणी से 68 विद्यार्थियों ने कक्षा बाहरवीं उत्तीर्ण की। सभी विद्यार्थियों ने इसका श्रेय अपने स्कूल के चेयरमैन नन्दराम पाहिल, प्रिंसिपल मुकेश मलिक और अभिभावक को दिया।

स्कूल की प्रिंसिपल मुकेश मालिक और चेयरमैन नन्दराम पाहिल ने बताया कि स्कूल की छात्रा सोनम (वाणिज्य संकाय) ने 500 में 472 अंक प्राप्त किए और स्कूल में बाजी मारी। उन्होंने बताया कि छात्र अभिषेक ने (कला संकाय) में 462 अंक, नितिन ने (वाणिज्य संकाय) में 455 अंक, योगिता ने (वाणिज्य संकाय) में 448 अंक, आरजू ने (कला संकाय) में 445 अंक, मनीष (कला संकाय) में 443 अंक, रीता नेगी ने (वाणिज्य संकाय) में 440 अंक, लोकेश ने (कला संकाय) में 439 अंक, प्रिया ने (कला संकाय) में 439 अंक, मौसम ने (कला संकाय) में 433 अंक, मन्ताशा ने (कला संकाय) में 429 अंक, प्रिया शर्मा ने (वाणिज्य संकाय) में 424 अंक, मानसी यादव ने (कला संकाय) में 416 अंक, राखी कुमारी ने (वाणिज्य संकाय) में 414 अंक, समीर मालिक ने (नॉन मेडिकल) में 412 अंक, परी ने (वाणिज्य संकाय) में 408 अंक, सोनू ने (कला संकाय) में 408 अंक, गौरव ने (वाणिज्य संकाय) में 407 अंक, समीर ने (नॉन मेडिकल) में 407 अंक, करुणा ने (कला संकाय) में 406 अंक, तन्नू ने (विज्ञान संकाय) में 406 अंक, दीपिका ने (विज्ञान संकाय) में 404 अंक, पूजा पांचाल ने (वाणिज्य संकाय) में 404 अंक, सबरीन ने (विज्ञान संकाय) में 403 अंक और मानसी में (वाणिज्य संकाय) में 402 अंक हासिल किया है।

कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र प्रताप सिंह की नामांकन सभा में उमडा जनसैलाब

Faridabad/Alive News

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने कहा कि फरीदाबाद में अब बदलाव की हवा शुरू हो गई है जो बहुत जल्द ही आंधी का रूप लेगी क्योंकि अब समय आ गया है जब जनता भाजपा के कुशासन और भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने के लिए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल के शासन में फरीदाबाद के लोगों को सिवाय धर्म और जात-पात की राजनीति के अलावा कुछ नहीं मिला, इसलिए यहां के लोगों ने अब परिवर्तन का पक्का मन बना लिया है।

वह शुक्रवार को इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी महेन्द्र सिंह का सेक्टर-12 स्थित जिला सचिवालय में नामांकन दाखिल कराने के उपरांत आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नामांकन सभा में उपस्थित हजारों के जनसैलाब ने एक तरह से चुनाव की शुरूआत में ही महेन्द्र प्रताप सिंह की जीत की गारंटी देदी। उपस्थित लोगों का उत्साह देखने लायक था तथा उन्होंने अबकी बार महेन्द्र प्रताप के नारों के साथ वातावरण को पूरी तरह से कांग्रेसमय बना दिया।

सभा में फरीदाबाद नगर निगम के भाजपा पार्षद कैलाश बैंसला, महेन्द्र सरपंच, राव महेन्द्र, दीपक चौधरी, राकेश भडाना व जितेन्द्र भडाना सहित 6 पार्षदों ने मंच से अपने खुले समर्थन का ऐलान किया। इस मौके पर कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक शारदा राठौर, पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया, पूर्व विधायक ललित नागर, पूर्व विधायक योगेश शर्मा, वरिष्ठ नेता विजय प्रताप सिंह, लखन कुमार सिंगला,

मोहम्मद इसराईल चौधरी सहित लोकसभा क्षेत्र के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

सभा में उमडे अपार जनसैलाब से गदगद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि नामांकन सभा में ही हजारों लोगों का जनसैलाब इस बात की गवाही दे रहा है कि इस बार फरीदाबाद की जनता ने वोट की चोट से अहंकार को हराने का पक्का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही सही मायनों में हर वर्ग के हितों की पार्टी है जबकि भाजपा ने गरीबों के हकों पर कुठाराघात किया है। भाजपा ने फरीदाबाद को विकास के मामले में पीछे धकेल दिया है। किसान, व्यापारी, कर्मचारी, महिला, युवा, कर्मचारी व हर वर्ग अपने आपको ठगा सा महशूस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम दिया है और सरकार बनने पर कांग्रेस 5 न्याय व 23 गारंटी लोगों के समक्ष रखीं हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। भाजपा के तो 15 लाख के जुम्ले निकले हैं लेकिन राहुल गांधी ने न्याय पत्र में महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबा सोह भीमराव अंबेडकर व राहुल गांधी की पदयात्रा के पसीने की गंध नजर आती है। उन्होंने कहा कि अब पचा लीक नहीं होगा और प्रदेश में युवाओं को रोजगार की गारंटी हमारी है वहीं अगनी वीर योजना के पन्ने फाड दिए जाएंगे और सरकार बनते ही पहले की तरह फौज में भर्ती, शहर कॉलेनी व गावों में गरीबों को पक्के मकान व प्लॉट दिए जांएगे वहीं किसानों के लिए स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू कर किसानों के प्रयोग में आने वाली सभी वस्तुओं से टैक्स खत्म किया जाएगा तथा आंगनवाडी कर्मियों की तनख्वाह दोगुनी कर 14 लाख नई नियुक्ति की जाएंगी।

तरुण निकेतन स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

पल्ला स्थित तरुण निकेतन स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन रॉटरी क्लब हेरिटेज द्वारा किया गया। शिविर का आयोजन माननीय डायरेक्टर कमल सिंह तंवर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल के प्रांगण में हुआ। आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह सुबह करीब नौ बजे शुरू हुआ, जिसमें स्कूल की प्राचार्या रंजना सोबती, उप प्रधानाचार्या राधा चौहान, मुख्य अध्यापिका स्वाति तंवर, अध्यक्ष हिमांशु तंवर, तरुण तंवर तथा स्कूल की अध्यापक और अध्यापिकाओं ने भी रक्तदान किया तथा इस आयोजन में बढ़-चढकर भाग लिया।

इस आयोजन में आसपास के कई आम लोग भी शामिल हुए। शिविर में रक्तदान करने वालों के लिए स्कूल की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई। रक्तदान करने वालों को प्रमाण-पत्र और मेडल भी दिए गए। पूरी प्रक्रिया पर नजर रखने और रक्त एकत्र करने के लिए डॉक्टरों की एक टीम को नियुक्त किया गया। यह पूरा कार्यक्रम रॉटरी

क्लब हेरिटेज के सेक्रेटरी दीपक तांतिया, प्रेसिडेंट संदीप गोयल तथा ट्रेजरर विनोद गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुआ।

रक्तदान के समापन के बाद स्कूल की प्राचार्या रंजना सोबती ने शिविर में उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया और उनकी सराहना की और बताया कि नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद की मदद हो सकेगी।

शिवाजी स्कूल के 31 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में मैरिट हासिल कर लहराया परचम

Faridabad/Alive News

पर्वतीय कॉलोनी स्थित शिवाजी पब्लिक स्कूल का हरियाणा बोर्ड बारहवीं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। कुल 80 विद्यार्थियों ने स्कूल की ओर से परीक्षा दी थी जिसमें 31 विद्यार्थियों ने मैरिट लिस्ट में अपना स्थान बनाया और स्कूल के साथ साथ अपने अभिभावकों का नाम भी क्षेत्र में रोशन किया है। स्कूल के प्रिंसिपल कैलाश कुमार ने बताया कि मैरिट में विज्ञान संकाय के आठ विद्यार्थी, वाणिज्य संकाय के बारह विद्यार्थी और कला संकाय के ग्यारह विद्यार्थियों ने मैरिट लेकर हरियाणा बोर्ड बारहवीं कक्षा में अपना स्थान बनाया है।

उन्होंने बताया कि वाणिज्य संकाय की छात्रा नैना झा ने 500 में से 454 अंक, आशिका ने 439 अंक, सोनिया ने 437 अंक, हर्षिता ने 435 अंक, निशा कुमारी ने 428 अंक, निक्की ने 427अंक, कीर्ति ने 411अंक, यश कुमार ने 411 अंक, विष्णु ने 410 अंक, निकिता झा ने 407 अंक, गितिका रावत ने 402 अंक, ध्रूव ने 400 अंक हासिल कर मैरिट में स्थान दर्ज कराया।

प्रिंसिपल ने बताया कि विज्ञान संकाय के छात्रा नितेश कुमारी ने 500 में से 425 अंक, गितांजली ने 422 अंक, मान्सी गोयल ने 422 अंक, कृतिका ने 406 अंक, अन्नया ने 405 अंक, अंशु कुमार ने 402 अंक, अजय ने 400 अंक, अमित ने 400 अंक लेकर मैरिट हासिल की।

इसके अलावा कला संकाय में सोनी ने 500 में से 439 अंक, लक्ष्मी ने 434 अंक, खूशी ने 426 अंक, पूनम ने 426 अंक, भारती ने 423 अंक, रितु ने 418 अंक, मनस्वी तोमर ने 415 अंक, योगेश शर्मा ने 406 अंक, सपना कुमारी ने 405 अंक, नेहा कुमारी ने 401 अंक और नगमा ने 400 अंक लेकर मैरिट में अपना नाम दर्ज कराया।

स्कूल के मैनेजर अरूण कुमार ने सभी बोर्ड परीक्षा में उर्त्तीण होने वाले सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि स्कूल के अध्यापकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग से बच्चों ने ये करिश्मा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि शिवाजी स्कूल ने 27 साल में 31 मैरिट हासिल करके और शत प्रतिशत रिजल्ट देकर अपने अभिभावकों और स्कूल का नाम रोशन किया है, इस खुशी से वह गद गद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतीय कॉलोनी में अभिभावक और विद्यार्थियों की मेहनत से जो नाम शिवाजी स्कूल का बना है उसको आने वाले भविष्य में और बड़ा करने का स्कूल प्रबंधन ने बीड़ा उठाया है। अरूण ने कहा कि भविष्य में स्कूल शत प्रतिशत रिजल्ट की तरह मैरिट देने का काम करेगा।

केडी स्कूल के 31 छात्रों का मैरिट लिस्ट में नाम, होनहारों ने छू लिया आसमान

Faridabad/Alive News

पर्वतीय कॉलोनी स्थित केडी पब्लिक स्कूल का हरियाणा बोर्ड बारहवीं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। बारहवीं कक्षा के 31 छात्रों ने मेरिट लिस्ट में अपना स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया है, साथ ही केडी स्कूल के 84 बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

स्कूल की प्रिंसिपल सोनिया यादव ने बताया कि वाणिज्य संकाय में निधि ने 500 में से 462 अंक, विज्ञान संकाय में उजाला ने 500 में से 459 अंक और नॉन मेडिकल संकाय में जैस्मीन ने 500 में से 457 अंक प्राप्त किए हैं । उन्होंने बताया कि छात्रा मुस्कान ने 500 में से 455 अंक, इराम इदरसी ने 500 में से 452 अंक, गरिमा ने 500 में से 443 अंक, पलक ने 500 में 440 अंक, सन्जू ने 500 में से 438 अंक, रिशब वरमा ने 500 में से 432 अंक, भावना ने 500 में से 427 अंक, अमुराग ने 500 में से 422 अंक, सौरभ ने 500 में से 422 अंक, प्रिया ने 500 में से 422 अंक, जगत ने 500 में से 421अंक, हर्ष सिंह ने 500 में 416 अंक, विष्णु ने 500 में से 415 अंक, अदिति कश्यप ने 500 में से 412 अंक, गुनगुन ने 500 में से 412 अंक, अंशुल ने 500 में से 411 अंक, अतूल सिंह ने 500 में से 411 अंक, भूमि ने 500 में से 409 अंक, अभिषेक कुशवाहा ने 500 में से 409 अंक, इशु ने 500 में से 407 अंक, आशिश ने 500 में से 405 अंक, नसरिन ने 500 में से 404 अंक, हरमन सिंह ने 500 में से 404 अंक, अंजली चौधरी ने 500 में से 401 तुषार ने 500 में से 401 अंक, अकाश ने 500 में 400 अंक, और मेघा सैगल ने 500 में से 400 अंक हासिल किया है।

स्कूल के चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और स्कूल के अध्यापकों का धन्यवाद किया । उन्होंने अध्यापकों से कहा कि बच्चों पर दबाव न बनाएं बल्कि उनका साथ दें। ये जीवन में सफलता का आखिरी मापदंड नहीं है। आप सभी पूर्ण मनोयोग से और अधिक मेहनत के साथ प्रयास कर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448